पटना ●मंगलवार, 10 सितम्बर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः241 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

हरसिद्धि में आयोजित हुआ राजस्तरीय... 3 www. bordernewsmirror.com वामिका गब्बी ने बेबी जॉन.. 8

दुनिया की दो टॉप जासूसी एजेंसियों की चेतावनी

संकट में वर्ल्ड ऑर्डर, कोल्ड वार के बाद सबसे ज्यादा खतरा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया की दो टॉप इंटेलिजेंस एजेंसियों के चीफ ने चेतावनी दी है कि वर्ल्ड ऑर्डर खतरे में हैं। उन्होंने कहा कि हमने वर्ल्ड ऑर्डर को ऐसा खतरा शीत युद्ध के बाद से नहीं देखा है। सीआईए डायरेक्टर बिल बर्न्स और यूके की इंटेलिजेंस एजेंसी एमआई 6 से चीफ रिचर्ड मूर ने फाइनेंशियल टाइम्स के एक लेख में लिखते हुए कहा कि हमारे पास एक-दूसरे से अधिक भरोसेमंद या सम्मानित सहयोगी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हमारी साझेदारी और ज्यादा मजबूत होगी, क्योंकि हम अनापेक्षित खतरों का सामना कर रहे हैं। जिसमें मुख्य रूप से रूस, चीन और मध्य पूर्व के देश शामिल हैं।

गाजा युद्ध पर क्या बोले दोनों स्पाई चीफ

दोनों देशों के खुफिया एजेंसियों के प्रमुखों ने कहा कि गाजा में जारी संघर्ष हमारे लिए विशेष चिंता का विषय है। इसके बाद लंदन में एक सम्मेलन में सीआईए चीफ विलियम बर्न्स ने कहा कि वह युद्धविराम की रुपरेखा को तैयार करने के लिए मिस्र और कतर के मध्यस्थों के साथ कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि हम अगले कुछ दिनों में इस पर अधिक विस्तृत प्रस्ताव देंगे।

यूक्रेन को सैन्य समर्थन जारी रहने का किया ऐलान

फरवरी 2022 में शुरू किए गए रूसी आक्रमण के प्रतिरोध में यूक्रेन के प्रमुख वित्तीय और सैन्य समर्थकों में संयुक्त राज्य अमेरिका और यूके शामिल हैं। उन्होंने लेख में लिखा, अपने रास्ते पर बने रहना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। हम रूसी खुफिया एजेंसियों द्वारा यूरोप भर में चलाए जा रहे हिंसा के बेतहाशा अभियान को विफल करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

साथ मिलकर काम करने की जताई इच्छा

दोनों ने यह भी बताया कि वे अब अपने द्वारा एकत्र किए गए विशाल डेटा का उपयोग करने के लिए उन्नत एआई और क्लाउड तकनीकों का उपयोग कैसे कर रहे हैं। यह संयुक्त लेख ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की 13 सितंबर को वाशिंगटन यात्रा से कुछ दिन पहले आया है, जहां उनका स्वागत अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन करेंगे। व्हाइट हाउस ने कहा कि दोनों नेता यूक्रेन को निरंतर मजबूत समर्थन और गाजा में युद्धविराम हासिल करने की इच्छा पर चर्चा करेंगे।

हरियाणा में आप-कांग्रेस का गठबंधन नहीं हुआ

- **सीट शेयरिंग पर सहमति न होने से बातचीत टूटी; आप ने 20 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की**

हरियाणा (एजेंसी)। हरियाणा में आम आदमी पार्टी (आप) अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने सोमवार को दोपहर बाद 20 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। आप की इस लिस्ट से साफ है कि अब वह इस चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन नहीं करेगी। इससे पहले आप के हरियाणा अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने भी कहा था कि अगर आज बात सिरे न चढ़ी तो पार्टी सभी 90 सीटों पर उम्मीदवार उतार देगी।

कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन न होने की बड़ी वजह सीट शेयरिंग है। आप कांग्रेस से 10 सीटें मांग रही थी। यह सीटें पंजाब और दिल्ली के बॉर्डर से सटे जिलों में थी। आप का तर्क था कि दोनों जगह उनकी सरकार है, इसलिए उन्हें फायदा होगा। इसके उलट कांग्रेस सिर्फ 5 सीट देने पर अड़ी रही। कांग्रेस ने आप की दिल्ली-पंजाब बार्डर इलाकों की सीटों की मांग भी ठुकरा दी और शहरी क्षेत्रों में लड़ने के लिए कहा। राज्य में 90 विधानसभा सीटों पर सिंगल फेज में 5 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। 8 अक्टूबर को नतीजे घोषित होंगे।

अमेरिका में भारतीय प्रवासी कार्यक्रम, राहुल गांधी बोले

चुनाव नतीजों के बाद कोई भी पीएम से नहीं डरता

- **सब कुछ मेड इन चाइना,इसलिए भारत में रोजगार की दिक्कत**
- **पित्रोदा ने कहा- राहुल के पास विजन, वो पप्पू नहीं**

डलास (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि इस साल की शुरुआत में लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद भारत में कोई भी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) या प्रधानमंत्री से नहीं डरता। डलास में आयोजित एक भारतीय प्रवासी कार्यक्रम में बोलते हुए गांधी ने कहा कि आरएसएस का मानना है कि भारत एक विचार है और कांग्रेस का मानना है कि भारत विचारों की बहुलता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर व्यक्ति को उसकी जाति, भाषा, धर्म, परंपरा और इतिहास से परे जगह दी जानी चाहिए। सब कुछ मेड इन चाइना,इसलिए भारत में रोजगार की दिक्कत हो रही है। वहीं पित्रोदा ने कहा- राहुल के पास विजन, वो पप्पू नहीं है।

आरएसएस पर भी साधा निशाना - उन्होंने कहा, आरएसएस का मानना है कि भारत एक विचार है और हमारा मानना है कि भारत विचारों की बहुलता है और हम मानते हैं कि वैसे, संयुक्त राज्य अमेरिका की तरह ही, हम मानते हैं कि सभी को भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए। हमारा मानना है कि सभी को सपने देखने की अनुमति दी जानी चाहिए। सभी को उनकी जाति, भाषा, धर्म, परंपरा, इतिहास की परवाह किए बिना जगह दी जानी चाहिए। यह लड़ाई चुनाव में स्पष्ट हो गई जब भारत के लाखों लोगों ने स्पष्ट रूप से समझ लिया कि भारत के प्रधानमंत्री भारत के संविधान पर हमला कर रहे हैं क्योंकि मैं आपसे जो कह रहा हूं, राज्यों का संघ, भाषाओं का सम्मान, धर्मों का सम्मान, परंपराओं का सम्मान, जातियों का सम्मान, यह सब संविधान में है।

एलओसी पर घुसपैठ कर रहे 2 आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे आतंकवादियों को सेना ने मार गिराया। टेररिस्ट रविवार (8 सितंबर) की देर रात सीमा पार करने की कोशिश कर रहे थे।व्हाइट नाइट कॉर्प्स के मुताबिक सेना की तलाशी अभियान में एक और एम4 राइफल बरामद हुआ है। सर्च ऑपरेशन में अब तक 2 एके-47, 1 एम-4 राइफल, 1 पिस्तौल, 8 ग्रेनेड, गोला-बारूद, समेत की सामान बरामद किया जा चुका है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा

ड्यूटी पर तुरंत लौटें डॉक्टर, आज शाम 5 बजे तक जॉइन नहीं किया तो राज्य सरकार कार्रवाई करे

नई दिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप-मर्डर केस में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की बेंच ने तीन मुद्दों - सीबीआई जांच रिपोर्ट, डॉक्टरों की हड़ताल और सीआईएसएफ जवानों की सुविधाओं पर सुनवाई की।

सीबीआई की स्टेटस रिपोर्ट में कई बातें सामने आई। कोर्ट ने कहा कि, एफआईआर में 14 घंटे की देरी हुई है। वहीं कुछ जरूरी दस्तावेज भी गायब हैं। ऐसे में मामला गड़बड़ लगता है। कोर्ट ने राज्य सरकार को मिसिंग डॉक्यूमेंट कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया।

वहीं हड़ताल को लेकर कोर्ट ने डॉक्टरों से तुरंत काम पर लौटने को कहा है। सीजेआई ने कहा, अगर मंगलवार शाम 5 बजे तक डॉक्टर ड्यूटी पर नहीं लौटे तो उनके खिलाफ राज्य सरकार को कार्रवाई करने से नहीं रोका जा सकता। डॉक्टरों का पेशा ही मरीजों की सेवा करना है।

उधर सीआरपीएफ जवानों की सुविधाओं पर कोर्ट ने राज्य के गृह सचिव को आदेश दिया कि सभी जवानों को रहने के लिए घर मुहैया कराया जाए। ये जवान अस्पताल की सुरक्षा के लिए आए हैं। उनको अतिरिक्त सुरक्षा उपकरण भी दिए जाएं। मामले में अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

ममता बोलीं- विक्टिम के पेरेंट्स को पैसे ऑफर नहीं किए

कहा था- बेटी की याद में अगर कुछ करना हो तो सरकार आपके साथ है

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि हमने मृतक ट्रेनी डॉक्टर के माता-पिता को कभी पैसा ऑफर नहीं किया। हमने सिर्फ उन्हें ये कहा था कि अगर वे अपनी बेटी की याद में कुछ करवाना चाहते हैं, तो हमारी सरकार उनके साथ है।

स्टेट सेक्रेटिएट नबन्ना में रिव्यू मीटिंग के दौरान ममता ने यह भी कहा कि विरोध प्रदर्शनों के चलते कोलकाता के कमिश्नर विनीत गोयल ने इस्तीफा देने की पेशकश की थी, लेकिन हमें कोई चाहिए जो दुर्गा पूजा को लेकर कानून-व्यवस्था संभालना जानता हो।

दरअसल, रेप विक्टिम ट्रेनी डॉक्टर के माता-पिता ने कोलकाता पुलिस पर आरोप लगाया था कि उन्होंने बेटी का शव सौंपते वक्त उन्हें पैसा ऑफर किया था और कहा था कि हमने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी है। वहीं, प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने पुलिस पर सबूतों से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए पुलिस कमिश्नर के इस्तीफे की मांग की थी।

69000 शिक्षक भर्ती पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

- **लखनऊ डबल बेंच ने दिया था नई सूची जारी करने का आदेश, नौकरी कर रहे शिक्षकों को राहत**

लखनऊ (एजेंसी)। 69000 शिक्षक भर्ती विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने लखनऊ हाईकोर्ट के फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट का वो फैसला लागू नहीं होगा जिसमें हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने 69000 शिक्षक भर्ती में बनाई गई मेरिट लिस्ट को रद्द कर 3 महीने में नई मेरिट लिस्ट बनाने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट किया है की शिक्षकों की नौकरी नहीं जाएगी।

कालिंदी एक्सप्रेस पलटाने की साजिश

ट्रैक पर सिलेंडर से टकराई ट्रेन, पेट्रोल-बारूद मिला 6 संदिग्ध हिरासत में, जमातियों की जांच

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में एक बार फिर ट्रेन को डिरेल करने की कोशिश की गई। अनवर-कासगंज रूट पर रविवार देर शाम यह घटना हुई। कालिंदी एक्सप्रेस ट्रैक पर रखे सिलेंडर से टकरा गई। सिलेंडर फटा नहीं और ट्रेन से टकराकर ट्रैक के किनारे गिर गया।कालिंदी एक्सप्रेस के लोको पायलट ने तुरंत सीनियर अफसर को सूचना दी। घटना के बाद आरपीएफ,जीआरपी और रेलवे के सीनियर अफसरों ने जांच की।

13 साल का बच्चा घर से निकला अघोरी बनने, चिट्ठी लिखकर उड़ा दिए घरवालों के होश

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा में एक 13 साल का बच्चा घर से लापता हो गया। परिजनों ने जब उसे खोजने की कोशिश की तो उनके हाथ एक चिट्ठी लगी। उस चिट्ठी में नाबालिग ने लिखा था कि वह अघोरी बनने के लिए घर छोड़ रहा है। इसके बाद परिजन गफलत में आ गए और पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने बताया कि रेलवे कॉलोनी निवासी महेंद्र चतुर्वेदी सिग्नल विभाग में सुपरवाइजर पद पर कार्यरत है। इनका पार्थ नाम का बेटा आठवीं कक्षा में एक निजी स्कूल में पढ़ता है।

तड़के करीब तीन बजे पार्थ अचानक घर से गायब हो गया। पिता महेंद्र सुबह सैर पर जाने के लिए उठे तो उन्हें घर का मुख्य दरवाजा खुला मिला और पार्थ कहीं नजर नहीं आया।

रिश्तेदारों, कॉलोनी और स्टेशन सभी जगह तलाश

पिता महेंद्र नी बताया कि उसने सोचा की रविवार होने के कारण पार्थ सुबह कहीं घूमने या दोस्तों के पास चला गया होगा। इसके बाद पार्थ के 7-8 बजे तक भी लौटकर नहीं आने पर परिजनों की चिंता बढ़ने लगी। पार्थ का फोन घर पर ही था।

- **कोटा से अहमदाबाद पहुंचा नाबालिग छात्र-** इसके बाद महेंद्र ने फोटो सहित पार्थ की गुमशुदगी का एक मैसेज सोशल मीडिया पर डाला। देखते ही देखते यह मैसेज सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर जमकर वायरल हो गया। पुलिस ने भी आरपीएफ, जीआरपी और सभी थानों पर पार्थ की गुमशुदगी की रिपोर्ट डाल दी। इसके बाद पार्थ के गुमशुदगी का पता शाम को चला। सुबह ट्रेन से पार्थ सीधा अहमदाबाद चला गया था। यहां पार्थ ने खुद स्टेशन अधीक्षक के पास जाकर बताया कि वह कोटा का रहने वाला है और रास्ता भटक गया है।

सीएम भजनलाल जल्द दे सकते हैं शिक्षक भर्ती की खुशखबरी!

- **शिक्षा विभाग में सवा लाख से ज्यादा पद खाली ● सरकार ने इसी साल 87 हजार को नौकरी देने का लक्ष्य रखा**

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में नई सरकार बनने के बाद युवा नौकरियों को लेकर बेहद उत्साहित हैं। भाजपा सरकार ने जल्द ही एक लाख पदों पर भर्तियां करने का ऐलान किया था। ऐसे में युवा वर्ग भर्तियों का इंतजार कर रहे हैं। उधर, माध्यमिक शिक्षा विभाग की मासिक रिपोर्ट से पता चला है कि शिक्षा विभाग में 1 लाख 25 हजार से ज्यादा पद रिक्त पड़े हैं। रिपोर्ट के मुताबिक शिक्षा विभाग में विभिन्न कैडर के कुल पदों की संख्या 3,70,873 हैं। इनमें से 1,25081 पद रिक्त हैं। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद बेरोजगार युवाओं के संगठनों की ओर से भर्तियां निकाले जाने की मांग की जा रही है। बता दें कि बजट पेश करने के दौरान डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने कहा था कि राजस्थान में युवाओं के लिए हमने अगले 5 सालों में 4 लाख सरकारी भर्तियां करने का संकल्प लिया है, वहीं इस साल 1 लाख से अधिक पदों पर सरकारी भर्तियां की जानी प्रस्तावित हैं।

मणिपुर में ड्रोन हमलों के विरोध में छात्रों का प्रदर्शन, 20 घायल

- **राज्यपाल-डीजीपी के इस्तीफे की मांग; बीती रात हजारों लोगों ने राजभवन-सीएम हाउस तक मार्च किया**

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल मेंड्रोन हमलों के विरोध में सोमवार (9 सितंबर) को भी प्रदर्शन हुए। इसमें कई स्कूल-कॉलेज के छात्रों ने राजभवन तक रैली निकाली। इस दौरान छात्रों ने पुलिस डीआईजी, सुरक्षा सलाहकार, और राज्यपाल के इस्तीफे की मांग की। साथ ही छात्रों ने नैतिक आधार पर 50 विधायकों के इस्तीफे की मांग की। ऑल मणिपुर स्टूडेंट्स यूनियन (एमएसएसयू) के प्रदर्शनकारी छात्रों ने इंफाल में सीआरपीएफ के काफिले पर पथराव किया। प्रदर्शन में 20 घायल हो गए।

8 सितंबर की रात हजारों लोगों ने इंफाल की सड़कों पर प्रदर्शन किया- मणिपुर में बढ़ती हिंसा को लेकर 8 सितंबर को हजारों लोग सड़क पर प्रदर्शन के लिए निकले। किशमपट के टिडिम रोड पर 3 किलोमीटर तक मार्च के बाद प्रदर्शनकारी राजभवन और सीएम हाउस तक पहुंच गए।

संक्षिप्त समाचार

आपसी विवाद में मारी गोली, घायल पीएमसीएच रेफर, जांच में जुटी पुलिस

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर के नवगछिया स्थित इस्माइलपुर थाना अंतर्गत छोटी प्रवक्ता गांव में देवल मंडल को आपसी विवाद में घर के पास गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना जमीन का विवाद बताया जा रहा है। इस मामले में देवल मंडल के बयान पर देवन मंडल, उसके बेटा व भाई महेश साहू, धीरज साहू के ऊपर साजिश के तहत गोली मारकर घायल करने का आरोप लगाया गया है। घायल के परिजनों ने बताया कि अचानक शाम में घर से बाहर देवल मंडल निकले, उसी समय सामने से आ रहे देवन मंडल और उसके बेटे ने गोली चला दी। गोली उसके पंजे में जाकर लगी। ये उसी में रह गया है। इस्माइलपुर थाना को सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और परिजनों ने घायल को मायागंज अस्पताल भेजा, जहां पर उसका इलाज कर पटना रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना पर जिला परिषद सदस्य विपिन मंडल मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। सूचना मिलने के बाद एसडीपीओ ओम प्रकाश भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल का निरीक्षण किया। आसपास के लोगों से पूछताछ भी की। सीडीपीओ ने बताया कि मामला जमीन संबंधी विवाद का है। कुछ दिन पहले दो पक्षों में विवाद हुआ था। रविवार को जैसे ही देवल मंडल घर से निकले, वैसे ही दूसरे पक्ष ने उन पर गोली चला दी। घायल को एक गोली लगी है। मायागंज में इलाज के बाद भागलपुर से पटना रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने घायल का फर्द बयान दर्ज कर लिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जमीन सर्वे में शुरू हुआ खून-खराबा, वंशावली बनाने गांव आये व्यक्ति को पट्टीदारों ने मार डाला

जहानाबाद, एजेंसी। बिहार में जमीन सर्वे के दौरान खून-खराबा शुरू हो गया है. इसकी आशंका पहले से ही जतायी जा रही थी. बिहार के जहानाबाद में जमीन सर्वे के लिए वंशावली बनवाने गांव आये व्यक्ति की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गयी है. मृतक के परिवार के लोग कह रहे हैं कि पहले ही धमकी मिली थी कि वंशावली सही से बनवाना, नहीं तो मार देंगे. परिजनों ने पुलिस को बताया है कि पट्टीदारों ने मार डाला है. मामले की जानकारी मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है. कल्पा के थानेदार राजकुमार राय ने बताया कि सभी बिंदुओं पर घटना की जांच की जा रही है. जहानाबाद के कल्पा थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव में 55 साल के अशोक सिंह की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गयी है. अशोक सिंह के भाई और परिवार के लोग कह रहे हैं कि उनकी हत्या कर दी गयी है. इसकी धमकी पहले ही मिली थी. धर्मपुर गांव के मूलनिवासी अशोक सिंह झारखंड के बोकारो में रहते थे. बिहार में जमीन सर्वे शुरू होने पर वंशावली बनाने के लिए गांव आए थे. गांव में उनकी लाश मिली है. अशोक सिंह के भाई का आरोप है कि उनकी हत्या कर दी गयी है. पट्टीदारों ने पहले ही ये धमकी दी थी कि वंशावली सही से बनवाना नहीं तो जान से मार देंगे. बताया जाता है कि अशोक सिंह अपने भाई के साथ गांव गए थे, लेकिन फिर बोकारो वापस लौट गए. रविवार को सूचना मिली कि उनके बड़े भाई की मौत हो गई है. पुलिस का कहना है कि प्रथमदृष्टया कीचड़ में गिरने से मौत का मामला लग रहा है. अशोक सिंह शारीरिक रूप से काफी कमजोर थे. उनके शरीर पर किसी तरह के जख्म के निशान नहीं मिले हैं. परिवार वालों के बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी. वैसे, मौत का कारण क्या है ये पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा.

पटना में बीजेपी नेता के मर्डर

सड़क किनारे बैठे थे, बदमाश चेन स्नेचिंग करने लगे विरोध करने पर सिर में मारी गोली

पटना, एजेंसी। पटना में चेन स्नेचिंग का विरोध करने पर अपराधियों ने भाजपा नेता श्याम सुंदर उर्फ मुन्ना शर्मा की हत्या कर दी। घटना आज सुबह 4 बजे की है। रविवार को श्याम सुंदर के बेटे का छेका था। वो अपने रिश्तेदारों को छोड़ने गए थे। उन्हें ऑटो में बिठाकर लौट रहे थे, तभी 3 बदमाशों ने घेर लिया। घटना पटना सिटी की है, जहां मंगल तालाब के पास श्याम सुंदर घर आने के लिए ऑटो पकड़ने पहुंचे थे। दोनों अपराधी चेन छीनने लगे। श्याम सुंदर ने इसका विरोध किया तो एक बदमाश ने उनके सिर में गोली मार दी। दूसरा चाकू से वार करता रहा। सुबह मॉर्निंग वॉक कर रहे लोगों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। श्याम सुंदर पटना सिटी चौक के नगर मंडल अध्यक्ष थे।

सीसीटीवी में श्याम सुंदर को गोली मारते दिखे अपराधी

सीसीटीवी में ये पूरी घटना कैद हुई है। इसमें दिख रहा है कि श्याम सुंदर सड़क किनारे बैठे हुए हैं। थोड़ी देर में एक बाइक से 3 अपराधी आते हैं और चेक छीनने की कोशिश करने लगते हैं। श्याम सुंदर इसका विरोध करते हैं एक अपराधी उन्हें सिर में गोली मारता है। दूसरा चाकू से हमला करने लगता है। तीनों चेन लूटने के बाद एक ही बाइक से वहां से भाग निकलते हैं। इस दौरान वहां खड़े लोग पहले तो चुपचाप सब देखते रहते हैं। गोली मारते ही वहां से भाग निकलते हैं।

कल ही बेटे का छेका किया था

बताया जा रहा है कि रविवार को मुन्ना शर्मा के बेटे का छेका था। सोमवार की सुबह मुन्ना शर्मा अपने रिश्तेदारों को छोड़ने मंगल तालाब के नजदीक ऑटो पकड़ने पहुंचे थे। वहां से लौटने के दौरान अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया।

एफएसएल की टीम कर रही जांच

पुलिस ने इस हत्याकांड की जांच शुरू कर दी है। चौक थाना प्रभारी शशि कुमार राणा ने बताया कि सोमवार की सुबह धारदार हथियार से हमला कर मुन्ना शर्मा की हत्या का मामला सामने आ रहा है। मुन्ना शर्मा भाजपा के कार्यकर्ता रहे हैं। इस केस में एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉड की टीम की मदद ली जा रही है।

पटना में 6 महीने में हत्या की 175, लूट की 108 और डकैती की 23 वारदात

पटना जिले में आपराधिक घटनाएं बढ़ी हैं। लगातार हो रही स्नेचिंग और लूट की घटनाओं से पुलिस की गश्ती पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। लूट, स्नेचिंग और चोरी करने वाले कई अपराधी हाल में जेल से छूटे हैं और दोबारा घटनाओं को अंजाम देने लगे हैं। हालांकि कई घटनाएं ऐसी हैं, जिनमें पुलिस ने कार्रवाई की है।

बीते 6 महीने में पटना पुलिस ने हत्या, लूट और डकैती के 75 प्रतिशत, वाहन चोरी के 32 प्रतिशत, बंद घरों में चोरी के 18 प्रतिशत मामलों का खुलासा किया है। ये आंकड़े पटना पुलिस के ही हैं।

पटना जिले में जनवरी से जून 2024 तक हत्या की 172, लूट की 108, डकैती की 23, बंद घरों में चोरी की 489 और वाहन चोरी की 2936 घटनाएं हो चुकी हैं। पटना जिले में चार एसपी हैं। इन 6 महीनों में हत्या, लूट, डकैती, घर में चोरी और वाहन चोरी की सबसे अधिक घटनाएं एसपी पूर्वी के इलाके में हुई हैं। पटना पूर्वी में हत्या की 61, डकैती की 12, लूट की 36, घर में घुसकर चोरी की 170 और वाहन चोरी की 1392 घटनाएं हुई हैं।

4 साल तक रहा कंपाउंडर फिर बना डॉक्टर

यूट्यूब से ऑपरेशन करने वाला फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार

छपरा, एजेंसी। छपरा में यूट्यूब देखकर ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर को पुलिस ने 28 घंटे के अंदर पुलिस ने स्थानीय गड़खा थाना पुलिस और एसआईटी के सहयोग से गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई को लेकर पुलिस की बड़ी सफलता मानी जा रही है। आरोपी चिकित्सक की पहचान गड़खा थाना क्षेत्र के बभनिया गांव निवासी अजित कुमार पूरी के रूप में हुई है। फ़िलहाल पुलिस आरोपी फर्जी डॉक्टर से पूछताछ कर रही है। जिसे पूछताछ के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत न्यायालय भेजा जाएगा।

पथरी की शिकायत होने पर किया था ऑपरेशन

एसपी कुमार आशीष ने बताया कि 6 सितंबर 2024 को मढ़ौरा थाना के भुवालपुर ग्राम निवासी गोलू कुमार शरीर में पथरी की शिकायत होने पर ऑपरेशन के लिए उसके परिजन उसे लेकर गरखा थाना के मोतीराजपुर बाजार स्थित गणपति सेवा सदन के फर्जी डॉक्टर अजीत कुमार पूरी के पास पहुंचे। जहां ऑपरेशन के दौरान उनकी स्थिति काफी बिगड़ गई, जिसके बाद उसे पटना ले जाया जा रहा था, जहां रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस टीम को सूचना प्राप्त होने पर तत्काल गरखा थाना में कांड संख्या 572/24 दिनांक-07.09.24 धारा 105 बीएनएस दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई। मृतक के शव को पोस्टमार्टम करने के पश्चात परिजनों को सौंप दिया गया, जिसके उपरांत परिजनों ने दाह संस्कार कर दिया। इसी क्रम में गरखा थाना पुलिस टीम ने इस घटना के अभियुक्त फर्जी डॉक्टर अजीत कुमार पूरी, ग्राम बभनिया, पोस्ट-पहाड़पुर, थाना- गरखा को गिरफ्तार किया गया है।

कंपाउंडर से बना डॉक्टर

आरोपी फर्जी डॉक्टर अजित कुमार पुरी छपरा में एक डॉक्टर के क्लिनिक पर चार वर्षों तक कंपाउंडर का काम किया था। इस दौरान मेडिकल से जुड़ा कीच अनुभव हो गया। जिसके बाद धर्माबागी मोतिराज पुर में अपना निजी क्लिनिक का शुरुआत कर दिया। शुरू में ऑपरेशन के लिए छपरा और अन्य जगहों से डॉक्टर को बुलाता था। लेकिन 6 सितंबर को अपने से ही ऑपरेशन कर दिया।

गया में पुलिसकर्मी के साथ मारपीट भी की, पोखर से बाइक हुई बरामद

10 बदमाशों ने डायल-112 के जवान की लूटी बाइक-पिस्टल

गया, एजेंसी। गया में दस की संख्या में रहे बदमाशों ने डायल-112 के जवानों से उनकी सरकारी बाइक और पिस्टल लूट लिए। घटना में डायल-112 के जवान सर्वजीत कुमार घायल हुए है। बताया जा रहा है कि बदमाशों के साथ हुई मारपीट के दौरान ही वह जख्मी हुए है। घटना देर रात गया-नवादा रोड स्थित मेहता पेट्रोल पंप के सामने आरओबी के पास की है। बदमाश वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची मुफस्सिल थाना की पुलिस बदमाशों की तलाश में जुट गई है। छानबीन के दौरान सरकारी बाइक को पुलिस ने बरामद कर लिया है। ये पोखर में डूबी पड़ी थी। बाइक के हेड लाइट के ऊपर लगा शीशा सिर्फ नजर आ रहा था।

बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस

घटना की पुष्टि एसडीपीओ सुनील कुमार पाण्डेय ने की है। उन्होंने कहा कि बदमाश की तलाश की जा रही है। जल्द ही इन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस कर्मियों से हुई लूट की सूचना पर एसडीपीओ वजीरगंज सहित मुफस्सिल थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। वे बदमाशों के भागने वाली सटीक दिशा में छानबीन कर रहे हैं।

लूट के दौरान पुलिस के जवानों से ही भीड़े बदमाश

बताया जाता है कि दस की संख्या में रहे बदमाश एक राहगीर के साथ मारपीट कर छिनतई की वारदात को अंजाम दे रहे थे। इसी बीच गश्ती में रहे डायल 112 की बाइक मौके पर पहुंची। डायल 112 के जवानों को देखते ही बदमाश राहगीर को छोड़ पुलिस के जवानों से ही भीड़ गए। पुलिसकर्मी के साथ मारपीट कर उनका हथियार और बाइक लूट कर मौके से भाग निकले। सूत्रों का कहना है कि भागने के दौरान बदमाशों ने चार बार फायरिंग भी की है।

बेतिया में शिक्षकों को ले जा रही नाव पलटी, रेसक्यू टीम ने दिखाई तत्परता

बेतिया, एजेंसी। सोमवार की सुबह बेतिया में एक बड़ा नाव हादसा हुआ. यात्रियों से भरी नाव अचानक पलट गयी. नाव पर सवार यात्रियों में करीब 15 स्कूल शिक्षक थे. बेतिया के बैरिया में पटजीरवा घाट पर नाव पलटने के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया. लोग डूबते शिक्षकों को बचाने के लिए नदी में कूद गये. रेसक्यू टीम की तत्परता से 15 शिक्षकों समेत सभी यात्रियों को डूबने से बचा लिया है. इस हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है.

पहले भी हो चुका है यहां हादसा : बैरिया थाना क्षेत्र के सरेया मन में इसी साल 14 फरवरी को नाव पलटने से तीन बच्चियों एवं एक किशोरी समेत पांच लोग डूब गये थे. इनमें महिला और दो बच्चियों को बचा लिया गया, लेकिन हादसे में एक बच्ची और किशोरी की मौत हो गई थी. देर रात गोताखोरों ने बलुआ रमपुरवा वार्ड-7 के शंभूचौधरी की पुत्री लालचुन्नी कुमारी (19) व छोटन मुखिया की पुत्री खुशबूकुमारी (11) का शव निकाला. महिला समेत पांचों लोग छोटी नाव से सरेया मन के उस पार कूड़ा घाट से घास काट कर लौट रही थी. जीएमसी अस्पताल चौकी प्रभारी सुधांशु शेखर ने बताया कि पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया.

पहले पिता की हत्या की फिर बेटे को मारी चाकू

सीवान, एजेंसी। महावीरी मेला में घूमने गए एक युवक को अपराधी ने चाकू मारकर घायल कर दिया है। घायल का सीवान के सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। घटना सीवान के सराय थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव की है। पीड़ित सराय थाना क्षेत्र के नरहट गांव निवासी योगेंद्र राम है।

महावीरी मेला में किया हमला : पीड़ित योगेंद्र राम ने बताया की वह रविवार की रात कल्याणपुर गांव में महावीरी मेला घूमने के लिए गया था। तभी उसी के गांव के रहने वाला एक युवक उसे देखते ही बाइक से उतर कर चाकू से वार करना शुरू कर दिया। इधर स्थानीय लोग कुछ समझ पाते तब तक आरोपी ने पीड़ित के पेट, हाथ और कमर पर चाकू से वॉर कर दिया और मौका पाकर फरार हो गया। स्थानीय लोग घायल योगेंद्र को सीवान के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज चल रहा है। घायल ने बताया कि 2024 में ही 13 जून को

उसी युवक के द्वारा मेरे पिता जी की भी हत्या कर दी गई है। इस मामले में वह फरार चल रहा है और वह जैसे ही मुझे देखा, मेरे ऊपर भी चाकू से वॉर कर दिया।

जल्दी ही आरोपी को किया जाएगा गिरफ्तार : थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित के बयान के आधार पर पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। जल्दी ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा। आवेदन के आधार पर अन्य जांच में पुलिस जुटी हुई है। कल्याण पर मेला, योगेंद्र राम, अपने गांव के ही एक युवकों पर चाकू से वॉर करने का आरोप लगाया है।

खुलासा : जहरीला पदार्थ पीने से हुई दोनों युवक की मौत

मनिहारी एसडीपीओ बोले- आपसी दुश्मनी में पिलाया था, खुद छोड़कर भागा...आरोपी अरेस्ट

कटिहार, एजेंसी। कटिहार के अहमदाबाद थाना क्षेत्र में शनिवार को दिलावरपुर बैरिया गांव में दो लोगो की संदिग्ध मौत का कटिहार पुलिस ने खुलासा कर दिया है। घटना के बारे में जानकारी देते हुए मनिहारी एसडीपीओ ने बताया कि मटन पार्टी के दौरान बजरुद्दीन नामक व्यक्ति पर साजिश के तहत जहरीला पदार्थ पिलाकर अमित और सद्दाम की हत्या करने का आरोप लगाया गया था। बताया कि जांच के दौरान पता चला की शनिवार को अमित शाह के घर में मीट पार्टी के क्रम में तीन लोगों के जहरीला पदार्थ पीने की बात

सामने आई थी। जिसमें दो लोगों अमित शाह और सद्दाम की मौत हो गई थी। जबकि तीसरे व्यक्ति बजरुद्दीन खुद उसे नहीं पिया और वहां से फरार हो गया। इस मामले में बजरुद्दीन को गिरफ्तार कर लिया गया है । मृतक की मां के बयान के आधार पर कांड दर्ज कार्रवाई की गई है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

जहरीला पदार्थ पीने से हुई मौत

शराब की बात पर एसडीपीओ मनिहारी ने कहा कि इसमें कोई सच्चाई नहीं है। ऐसी कोई बात नहीं है। जहरीला पदार्थ पिलाकर ही मौत की पुष्टि हुई है । पेय पदार्थ को जब्त कर लिया गया है। इन लोगों के पोस्टमार्टम में भी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में वीडियोग्राफी कराई गई है,बोर्ड का गठन कर पोस्टमार्टम कराया गया है। उन्होंने कहा की हत्या करने की वजह पूर्ण में छोटी-छोटी बातों को लेकर दुश्मनी की बात प्रकाश में आई है। सभी दिल्ली में साथ में काम करते थे और इस दौरान उन लोगों में विवाद भी हुआ था। एसडीपीओ ने कहा कि हॉफ लीटर पानी में जहरीला पदार्थ मिला है। जिसे जांच के लिए भेज दिया गया है।

बच्चा पैदा होने का झांसा देकर 2 महिलाओं से ठगी, जेवरात के साथ दो शातिर अरेस्ट

आरा में 11 दिन पहले हुई थी घटना

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर पुलिस ने निःसंतान महिला को बच्चा पैदा होने का झांसा देकर ठगी करने वाले एक अंतर जिला गैंग का खुलासा किया है। साथ ही गैंग से जुड़े दो सदस्यों को भी गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मामला गजराजगंज ओपी क्षेत्र से जुड़ा है। यहां 11 दिन पहले महिलाओं से ठगी की घटना हुई थी। ठगी किए गए जेवरातों में से सोने का एक जोड़ा झुमका, सोने का एक जोड़ी बाली, सोने के दो मंगल सूत्र, सोने के दो मांगटिका, मोती गढ़ा माला, दो नया साड़ी और दो पुराना साड़ी बरामद किया है। इसके के अलावा दो हजार रुपए नकद बरामद हुआ है। दो मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। दोनों के खिलाफ दोनों जिलों में पहले के आपराधिक कांडों की खोज की जा रही है। सदर एएसपी परिचय कुमार ने बताया कि इस मामले में बक्सर जिले के ब्रह्मपुर थाना के महराजगंज निवासी हरेन्द्र नट की पत्नी सुनीता देवी और भोजपुर के शाहपुर थाना के रानीसागर गांव निवासी वसीम हुसैन को गिरफ्तार किया गया है।

29 अगस्त को हुई थी ठगी की वारदात

सदर एएसपी ने बताया कि 29 अगस्त को गजराजगंज ओपी के कारीसाथ गांव निवासी परमात्मा सिंह की पत्नी सुमन देवी अपने घर में गोतनी के साथ अकेली थी। इस दौरान एक अनजान महिला घर में प्रवेश करती है। उसने कहा कि परमात्मा सिंह का घर यहीं है। अनजान महिला ने कहा कि शादी के सात साल बाद भी बच्चा नहीं हो रहा है, उसी को लेकर वह देखने आई है। शातिर महिला ने सुमन देवी और गोतनी को यह कहकर झांसा दिया कि शादी में मिले सोने के जेवरात पर किसी ने भभूत डालकर जादू-टोना कर दिया है। इसलिए दोनों को बच्चा पैदा नहीं हो रहा है। ठग ने पीड़िता से शादी में मिले सारे आभूषण, दो नया साड़ी और दो बदन पर पहना हुआ पुराना साड़ी मांगा और कहा कि शीतला माता के पास चढ़ाकर ला देंगे, तो दोनों को लड़का पैदा हो जाएगा।

पीड़िता के पति को नौकरी लगने का भी दिया झांसा

शातिर महिला ने पीड़िता के पति को नौकरी लगने का भी झांसा दिया गया। ठग महिला ने अपने आंचल से लौंग निकालकर पीड़ित महिला और उसकी गोतनी को खिला दिया। लौंग खाते ही दोनों का मन बदल गया। झांसा में आकर सोने के जेवरात व साड़ी समेत सारा सामान दे दिया। बाद में परिवार के अन्य सदस्यों को जानकारी होने पर ठगी का एहसास हुआ। गजराजगंज (उदवंतनगर) थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। गिरफ्तारी को लेकर गजराजगंज ओपी प्रभारी हरी प्रसाद के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने वैज्ञानिक अनुसंधान के जरिए शाहपुर ब्लाक के पास स्थित एक घर से सुनीता देवी ठगी के सारे सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया। बाद में महिला की निशानदेही पर उसके सहयोगी रानीसागर गांव निवासी वसीम कुरैशी को भी धर दबोचा गया। ओपी प्रभारी ने बताया कि दोनों गोतनी निःसंतान है। इसलिए झांसा देकर ठगी की घटना को अंजाम दिया है।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

संक्षिप्त समाचार

40 सदस्यीय गन्ना किसानों का दल शोध के लिए यूपी हुआ रवाना

बीएनएम।
मोतिहारी। मुख्यमंत्री गन्ना विकास योजना-2024-25 अंतर्गत अंतर्राज्यीय एक्सपोजर विजिट सह प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु 40 किसानों का दल सोमवार को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर स्थित गन्ना शोध परिषद के लिए रवाना हुए। जिसमे एचजीसीएल सुगौली इकाई क्षेत्र से 10, मझौलिया इकाई क्षेत्र से 10, सिंधवलिया से 10 एवं गोपालगंज क्षेत्र के 10 किसान शामिल है। सभी किसान आगामी सात दिनो तक उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद् शाहजहाँपुर में रहकर गन्ना की आधुनिकतम खेती की जानकारी प्राप्त करेगे। इसकी जानकारी देते सुगौली चीनी इकाई के गन्ना उपमहाप्रबंधक संजीव कुमार ने बताया कि इस दल में जिसमें चीनी मिलों के पदाधिकारी, गोपालगंज से अमरेंद्र सिंह, सिंधवलिया से करण, मझौलिया से सुधीर मिश्रा एवं एचपीसीएल सुगौली के विनय कुमार सिंह भी शामिल है। थे

लापरवाहीः पताही स्वास्थ्य केन्द्र के इमरजेंसी कक्ष से मिला एक्सपायर इंजेक्शन

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर बड़ी लापरवाही देखने को मिली है जिन दवाओं की एक्सपायरी डेट निकल चुकी है, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इन्हीं दवाओं से काम चला रहा है। उल्लेखनीय है, कि पताही स्वास्थ्य केंद्र के आपातकालीन कक्ष के टूल बॉक्स में एक्सपायरी इंजेक्शन रखा हुआ मिला। एक्सपायर इंजेक्शन का नाम Cefotaxime इंजेक्शन है। अगर आपातकालीन कक्ष के टूल बॉक्स में इतनी बड़ी लापरवाही देखने को मिल रही है तो और जगह क्या होगा क्योंकि इमरजेंसी में ज्यादा चेक करने का समय भी नही मिलता है। अगर यह इंजेक्शन किसी मरीज को दे दिया जाता और अगर उसे कुछ हो जाता तो इसकी जिम्मेवारी कौन लेगा। मरीजों के स्वास्थ्य के साथ हो रहे खिलवाड़ की जानकारी के बाद भी उच्चाधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे है। वही इस संबंध में जब प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक राज कुमार से बात की है तो उन्होंने बताया कि इमरजेंसी रूम के टूल बॉक्स में एक्सपायर दवा का मिलना बहुत गलत है जिनकी ड्यूटी है जांच कर उनके खिलाफ कारवाई की जाएगी।साथ ही पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ शंकर बैठा ने इस मामले में बताया कि इमरजेंसी रूम का प्रभार निभा कुमारी के पास है अगर एक्सपायर दवा टूल किट में मिला है तो जांच कर कारवाई की जाएगी क्योंकि यह बड़ी लापरवाही है जो माफी लायक नही है।

जिलाधिकारी ने किया राजकीय मध्य विद्यालय रघुनाथपुर का औचक निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा सोमवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी पूर्वी चंपारण के साथ तुरकौलिया प्रखंड अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय रघुनाथपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सभी शिक्षकों की उपस्थित की जांच की एवं बच्चों की उपस्थिति देखी। जिस समय जिलाधिकारी विद्यालय पहुंचे उस समय मध्यान भोजन बच्चों को कराया जा चुका था। मध्यान भोजन के विषय में जिलाधिकारी ने पूछताछ की, बच्चों से भी इस विषय में जानकारी ली। बच्चों के द्वारा बताया गया कि खाना मेनू के अनुसार था और खाना गुणवत्तापूर्ण था। जिलाधिकारी चौथे और पांचवे वर्ग के बच्चों से पढ़ाई-लिखाई के बारे में पूछताछ की और पढ़ाई की गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी के द्वारा विद्यालय परिसर की साफ-सफाई सहित शौचालय को स्वच्छ रखने का निर्देश दिया।

एमएस कॉलेज में कर्मचारी परिषद की हुई बैठक

बीएनएम। मोतिहारी। शहर के मुंशी सिंह महाविद्यालय में सोमवार को नवनियुक्त प्राचार्य प्रो. मृगेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में कर्मचारी परिषद की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुंशी सिंह महाविद्यालय के भावी विकास को लेकर विचार-विमर्श किया गया। शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारियों ने महाविद्यालय से संबंधित समस्याओं पर अपने-अपने विचारों को रखा साथ ही समावेशी विकास के साथ महाविद्यालय को बेहतर बनाने के लिए कई सुझाव भी दिए। प्राचार्य मृगेन्द्र कुमार बैठक को संबोधित करते हुए महाविद्यालय से संबंधित समस्याओं के निदान और महाविद्यालय के विकास को लेकर आशान्वित दिखे। उन्होंने महाविद्यालय के हर कर्मचारी को अपने दायित्व के प्रति ईमानदार होने की बात कही। महाविद्यालय में शिक्षा, परीक्षा, पुस्तकालय, वर्ग की अनुपलब्धता एवं विभिन्न मूलभूत समस्याओं पर गौर करते हुए उन्होंने इसके निदान को लेकर अपनी बात रखी। इस बैठक में प्रो.एम.एन. हक, प्रो. इक़बाल हुसैन, डॉ. मयंक कपिला, डॉ. ए.के. रंजन, डॉ. शफ़ीक़ुर रहमान, डॉ. अमित कुमार, ए.के. चौबे, डॉ. प्रभाकर सिंह, डॉ. विदुषी दीक्षित, प्रमोद कुमार, सुनिल कुमार, हरेंद्र सिंह, हर्षवर्धन कुमार, दिलीप कुमार, शशिभूषण पाण्डेय और सुधीर कुमार राव सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी शामिल रहे। यह जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी व हिंदी विभाग में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. गौरव भारती ने दी है।

हरसिद्धि में आयोजित हुआ राजस्तरीय गन्ना किसान संगोष्ठी

बीएनएम। मोतिहारी

राज्य के चार सौ से अधिक किसान हुए शामिल

बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के हरसिद्धि स्थित एक होटल में सोमवार को एक दिवसीय राज्यस्तरीय गन्ना किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बिहार में गन्ना के उत्पादकता में वृद्धि एक चुनौती विषयक सेमीनार का गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान, ईंखायुक्त अनिल कुमार झा, जिला परिषद् के पूर्व चेयरमैन राजेंद्र प्रसाद गुप्ता ने संयुक्त रुप से दीप जलाकर उद्घाटन किया। संगोष्ठी में कृषि रोडमैप के अधीन चलाए जा रहे किसान संबंधी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस मौके पर गन्ना उद्योग मंत्री ने किसानों को ईंख उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करते कहा कि रीगा चीनी मिल में इसी सत्र में पेराई शुरू होगी। उन्होने गुड़ प्रोत्साहन कार्यक्रम और मुख्यमंत्री गन्ना विकास योजनान्तर्गत चलायी जा रही योजनाओं की भी जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि रीगा चीनी मिल पर किसानो को बकाया का भुगतान भी होगा। कहा मिल को शुरू करने को लेकर चार बार संविदा हुआ।तीन बार में संविदा रद्द होने के बाद एक उद्योगपति ने रीगा चीनी मील लिया है। उसके पास लगभग आठ चीनी मील है और वही मील चलाएगा। दो सत्रों में चलने वाले इस संगोष्ठी में सुगौली, बगहा, हरिनगर एवं नरकटियागंज के 420 गन्ना किसानों ने भाग लिया।पहले सत्र में संगोष्ठी का उद्घाटन और अतिथियों का स्वागत हुआ।वहीं दूसरे सत्र में संगोष्ठी में शामिल ईंख अनुसंधान संस्थान पूसा के वैज्ञानिकों ने किसानों को गन्ना का पैदावार बढ़ाने के बारे में बताया। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 राज्य योजना कृषि रोडमैप के तहत मुख्यमंत्री गन्ना विकास योजनान्तर्गत चलायी जा रही योजना,गन्ना यांत्रिकी योजना का प्रस्तावित श्रेणीवार भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य और बिहार राज्य गुड प्रोत्साहन कार्यक्रम के अन्तर्गत पूंजी अनुदान की जानकारी किसानों को गन्ना विकास के संयुक्त निदेशक सुनील कुमार पंकज दी। संगोष्ठी को विधायक व पूर्व गन्ना उद्योग मंत्री प्रमोद कुमार, पूर्व विधायक सचिन्द्र सिंह, समाजसेवी प्रकाश अस्थाना, पवन राज, ई. राकेश गुप्ता, दीपक शर्मा समेत कई लोगों ने संबोधित किया।संगोष्ठी में कई किसानों को सम्मानित किया गया। मौके पर संयुक्त ईख आयुक्त जय प्रकाश नारायण सिंह, सहायक ईख आयुक्त वेद व्रत कुमार, ईख पदाधिकारी बेतिया रेमन्ट झा, ईख पदाधिकारी मोतीहारी राहुल कुमार, ईख पदाधिकारी रामनगर श्रीराम सिंह, कुमार कानन, पुष्कर राज सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद थे।

एलएनडी कॉलेज के छात्र ने पूरे बिहार में लाया प्रथम स्थान

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज के स्नातक तृतीय वर्ष सत्र 2022-25 के छात्र मन्नु कुमार को चौथे बिहार राज्य ग्रैपलिंग प्रतियोगिता 2024-25 में 71 किलोग्राम वर्ग में पूरे बिहार में प्रथम स्थान मिला है। यह प्रतियोगिता 31अगस्त से 1 सितंबर तक बाढ़, पटना में आयोजित हुआ था। पदक जीतने के बाद महाविद्यालय वापसी पर कॉलेज प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. अरविंद कुमार और मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बुके, मेडल और उपहार देकर सम्मानित किया। इसके पूर्व में भी मन्नू कुमार विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित फ्री स्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता में दो बार स्वर्ण पदक जीत चुका है। प्राचार्य प्रो. सिन्हा ने छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय से सहयोग प्राप्त हो रहा है जिससे हमारे विद्यार्थी निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहें हैं। महाविद्यालय खेल कूद प्रभारी डॉ. रविरंजन सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों के अंदर छुपी हुई प्रतिभा को उजागर करके राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि मन्नु कुमार की उपलब्धि संसाधनों की कमी का रोना रोने वालों को करारा जवाब है। इस अवसर पर डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. दुर्बादल भट्टाचार्य, प्रो. दुर्गेश मणि तिवारी, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. जौवाद हुसैन, डॉ. कुमार राकेश रंजन, राजीव कुमार, कामेश भूषण, भुवनेश्वर सिंह, संजीव , किशोर, आशुतोष, आलोक पांडे, अमित कुमार, मणिभूषण, अखिलेश कुमार ने शुभकामनाएं देते हुए विजेता मन्नू के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मोबाइल पशु चिकित्सा वैन एवं कॉल सेंटर से पशुपालको की बढ़ेगी सुविधा

बीएनएम। मोतिहारी

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के तत्वावधान में मुख्यमंत्री द्वारा मोबाइल पशु चिकित्सा वैन एवं कॉल सेंटर का लोकार्पण पटना में आयोजित समारोह में किया गया। पूर्वी चम्पारण जिला हेतु सभी प्रखंडों के मोबाइल पशु चिकित्सा वैन को जिलाधिकारी सौरव जोरवाल ने समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर सोमवार को रवाना किया। जिलान्तर्गत प्रत्येक प्रखंड हेतु एक-एक मोबाइल पशु चिकित्सा वैन उपलब्ध कराया गया है। इस मोबाइल पशु चिकित्सा वैन के माध्यम से सम्बंधित प्रखंड में रोस्टर के अनुसार प्रतिदिन दो गाँवो में पशु चिकित्सा शिविर आयोजित कर पशुओं का उपचार किया जायेगा। पशुपालक द्वारा अपने पशुओं की पशु चिकित्सा हेतु विभाग के टोल फ्री नंबर 1962 पर संपर्क कर सुविधा का लाभ लिया जा सकता है। कार्यक्रम में डॉ. विनोद कुमार, जिला पशुपालन पदाधिकारी पदाधिकारी डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव, पशु शल्य चिकित्सक मोतिहारी सहित प्रखंड पशु चिकित्सा पदाधिकारी एवं पशुपालन शाखा के कर्मी उपस्थित रहे।

पोषण का महत्व बताकर आँगनबाड़ी केंद्रों पर मना गोद भराई रस्म

- गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है लक्ष्य
- बेहतर पोषण के लिए हरी सब्जियाँ व ताजे फल का सेवन आवश्यक - डीपीओ कविता कुमारी

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के पकड़ीदयाल, ढाका, फेनहारा, घोड़ासाहन, कल्याणपुर व अन्य आँगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण का महत्व बताते हुए आँगनबाड़ी केंद्रों पर गोदभराई का रस्म मनाया गया, ताकि गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार हो एवं उनके गर्भ में पल रहा बच्चा भी पूर्णतः स्वस्थ हो। इस सम्बन्ध में जिले के आईसीडीएस की डीपीओ कविता कुमारी ने बताया की 30 सितंबर तक जिले में पोषण को लेकर जागरूकता फैलाई जा रही है। वहीं जन जागरूकता के उद्देश्य से प्रति दिन 5-5 गतिविधियों को संचालित करने, गोद भराई कराने व रैलीयां संचालित करने का निर्देश दिया गया है। वहीं उन्होंने बताया कि पोषण माह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली सेविकाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। पकड़ीदयाल के वार्ड संख्या-10 में जागरूकता रैली, गोदभराई आयोजित की गईं। इस दौरान रैली में 'सही पोषण देश रौशन', 'हम सब ने ठाना है कुपोषण दूर भगाना है' जैसे नारे लगाए गए। रैली का उद्देश्य लोगों को सही पोषण के महत्व के बारे में जागरूक करना है। कल्याणपुर के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-56 में एनीमिया व कुपोषण से बचाव को

बेहतर पोषण के लिए हरी सब्जियाँ, साग, ताजे फल, दूध का सेवन करने का सलाह दिया गया ताकि कुपोषण से बचाव हो सके।

गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है लक्ष्य- प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व आभियान के अंतर्गत पूर्वी चंपारण के दो अनुमंडल अस्पताल का भ्रमण राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग टीम के सदस्य के तौर पर अजय कुमार, वरिष्ठ कार्यक्रम पदाधिकारी (सी थ्री) के द्वारा अनुश्रवण किया गया। अनुमण्डलीय अस्पताल ढाका व पकड़ीदयाल स्वास्थ्य केंद्र का निरिक्षण करते हुए अजय कुमार ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के महिलाओ में पोषण के जागरूकता की कमी और अभाव है जिससे गर्भवती महिलाओं में खून की कमी आ जाती है। प्रेग्नेंसी के दौरान ध्यान न देने पर महिला कमजोर हो जाती हैं। जिसके कारण पैदा होने वाला बच्चा कमजोर होता है, जो कि कुपोषण का शिकार हो जाता है। ऐसी स्थिति न पैदा हो इसके लिए गर्भवती महिला को बेहतर देखभाल की जानकारी दी जाती है और पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी जाती है।

हर माह की 7 तारीख को यह गोद भराई दिवस मनाया जाता है- डीपीओ कविता कुमारी ने कहा की हर माह की 07 तारीख को गोद भराई दिवस मनाया जाता है। गोद भराई के रस्म में पोषक क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को केंद्र पर बुलाकर सेविकाओं द्वारा उसे चुनरी ओढ़ा, तिलक लगा और गर्भस्थ शिशु की बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गोद में पोषण संबंधी पुष्टाहार फल सेव, संतरा, बेदाना, दूध, अंडा देकर गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को आयरन की गोली खाने की सलाह दी जाती है।

तालिमी मरकज चयन प्रक्रिया में हुई गड़बड़ी को लेकर डीएम ने की बैठक

- डीएम ने 50 चयन केंद्र पर पकड़ा है गड़बड़ी
- 50 केंद्र के चयन प्रक्रिया को स्थगित करते हुए संबंधित प्रधानाध्यापक का वेतन रोक मांगी गई है स्पष्टीकरण

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में शिक्षा सेवक तालिमी मरकज की चयन प्रक्रिया को लेकर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में सोमवार को समीक्षा की गई। समीक्षा में जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित जिला कार्यक्रम पदाधिकारी उपस्थित थे। उक्त समीक्षा में पाया गया कि कुल 132 केंद्र पर चयन प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी जिसमें कुल 84 केंद्र पर ही निर्धारित समयानुसार चयन प्रक्रिया प्रारंभ कर चयन से संबंधित अभिलेख कार्यालय को उपलब्ध कराया गया। अभिलेखों के अवलोकनोपरांत कुल 34 चयन केंद्र पर ही चयन प्रक्रिया नियम संगत पाया गया, जबकि कुल 50 केंद्र में त्रुटी पाई गई साथ ही 48 चयन केंद्र जहां समय सारणी का पालन नहीं किया गया या अन्य कारण से चयन प्रक्रिया पूर्ण नहीं किया गया उस केंद्र को तत्काल स्थगित करने की बात बताई गई। वहीं जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने स्पष्ट निर्देश दिया है, कि जिस 50 चयन केंद्र जहां स्पष्ट रूप से नियम की अवहेलना परिलक्षित हो रही है उन सभी संबंधित प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण की माँग करते हुए तत्काल प्रभाव से उन सभी का वेतन स्थगित किया जाय।

केविवि के समाज कार्य विभाग ने गेट-टुगेदर प्रोग्राम का किया आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत एवं पूर्ववर्ती सत्र के विद्यार्थियों के फेयरवेल के लिए आचार्य वृहस्पति सभागार में 'गेट टुगेदर प्रोग्राम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रथम सेमेस्टर एवम पूर्ववर्ती सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने तृतीय सेमेस्टर के छात्रों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया एवं साथ ही सभी ने अपनी कला का प्रदर्शन भी किया । कार्यक्रम में गीत, नृत्य का रंगारंग आयोजन हुआ। छात्रों ने रैंप पर फैशन और ट्रेंड का जलवा बिखेरा। सामाजिक विज्ञान के अधिष्ठाता सह समाज कार्य के विभागाध्यक्ष प्रो० सुनील महावर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन तथा सरस्वती वंदना से हुई। प्रो० सुनील महावर ने कहा कि समाज कार्य विभाग के विद्यार्थी अपने बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाने जाते हैं। इस तरह के कार्यक्रम से उनमें छिपी प्रतिभा बाहर निकल कर आती हैं। प्रो० महावर ने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की एवम अध्यापकों के साथ मिलकर हर तरह की सुविधा और सहयोग की बात की। इस अवसर पर समाज कार्य विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. उपमेश तलवार, डॉ. अनुपम कुमार वर्मा एवम अतिथि व्याख्याता डॉ. अल्पिका त्रिपाठी मौजूद रहे। स्वागत समारोह में समाज कार्य तृतीय सेमेस्टर के अभिषेक कुमार, अभिषेक सिंह, अमन, आनंद, अरविंद, अनुपम, बादल, दीपशिखा, गौरव, सुप्रिया गुप्ता, मानस, मुस्कान, निशा , रवि भूषण , रितिक, रूपाली ,सोनाली, सुप्रिया पाठक, विशाल गुप्ता तथा अन्य छात्रों की अहम भूमिका थी। इस गेट टूगेदर पार्टी में नव आगंतुक छात्रों के स्वागत के साथ-साथ पास आउट छात्रों को विदाई भी दी गई। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें पास आउट छात्रों में से विजेता हिमांशु रंजन को मिस्टर फेयरवेल और विजेता श्रीवास्तव को मिस फेयरवेल घोषित किया गया। इसी तरह नव आगंतुक विद्यार्थियों में से विजेता प्रशांत को मिस्टर फ्रेशर और सत्यम राज को मिस फ्रेशर चुना गया।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

संक्षिप्त समाचार

शराब धंधेबाजों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, देशी चुलाई शराब व बाइक जब्त

बीएनएम। सुगौली। स्थानीय पुलिस ने सोमवार को देशी चुलाई शराब धंधेबाज को मोटर साइकिल सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शराब धंधेबाज के पास से पुलिस ने 26 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद किया। गिरफ्तार व्यक्ति थाना क्षेत्र के भवानीपुर निवासी जोखन महतो का पुत्र व्यास कुमार बताया जाता है। पुलिस ने बेलवतीया गांव के रामबाबू कुमार नाम के शराब कारोबारी को सहित उत्पाद अधिनियम कांड के अभियुक्त मेहवा निवासी अच्छेलाल सहनी के पुत्र पंकज सहनी को गिरफ्तार किया है। मामले की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि सभी अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में मोतीहारी भेजा जा रहा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल एवं का उद्घाटन कर बिहार की जनता को किया समर्पितः आशुतोष

बीएनएम। शिवहर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय स्वास्थ मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने बिहार दौरा के दौरान बिहार की जनता को आधुनिक सुविधाओं से युक्त हजारों करोड़ की लागत से सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल एवं विभिन्न संस्थान को जनता की सेवा के लिए उद्घाटन कर समर्पित किया। इससे बिहार की जनता को काफी लाभ मिलेगा। उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रदेश सह कोषाध्यक्ष सह युवा उद्यमी आशुतोष शंकर सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि अस्पताल के उद्घाटन एवं शिलान्यास से काफी लाभ होगा। लोगों को इलाज के लिए दर-दर भटकना नहीं पड़ेगा। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा से ही लोगों का तन-मन स्वस्थ रहता है। आशुतोष ने कहा कि जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने को लेकर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी एवम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूरी तरह कृत संकल्पित है। उन्होंने कहा कि बिहार में स्वास्थ मंत्री मंगल पांडे के नेतृत्व में स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी क्रांति लाने को लेकर राज्य से लेकर केंद्र सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराना है। आशुतोष सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत भी किया। इस अवसर पर बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल ,बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा, स्वास्थ मंत्री मंगल पांडे सहित भाजपा के मंत्रीगण सहित हजारों वरिष्ठ नेताओं ने पटना, भागलपुर, गया, दरभंगा एवम मुजफ्फरपुर में उद्घाटन कार्यक्रमों में शामिल हुए।

शिवहर डीएम के रुप में युवा विवेक रंजन मैत्रेय ने किया पदभार ग्रहण

बीएनएम। शिवहर। शिवहर जिला पदाधिकारी के रुप 2015 बैच युवा विवेक रंजन मैत्रेय ने आज पदभार ग्रहण किया है। इस दौरान डीएम श्री मैत्रेय ने मिडिया कर्मियों से बात करते हुए कहा की जो सरकार की योजनाओं को धरातल पर लाने के लिए जो जिम्मेदारी मुझे सरकार ने दिया है, उसी पर कार्य करने की योजना है। समाजिक न्याय के साथ आर्थिक विकास जो मुलमंत्र है, सरकार का उसी पर आगे बढ़ने का योजना है। उन्होने कहा की जानकारी मिली है की जिले में अधिकारियो की बहुत ही युवा और यंग टीम है। जो सभी सरकारी योजनाओं का संचालन कर रही है। प्रयास करेंगे कि उसमें और भी सफलता मिले और तीव्र गति लाई जाए इससे शिवहर जिला वासियों को शिवहर नगर वासियों को योजनाओं का लाभ मिले। देकुली धाम के संबंध में उन्होंने कहा कि संस्कृति के दृष्टिकोण से बहुत ही महत्वपूर्ण कल्चरल सेंटर के रूप में पर्यटक विभाग के रूप मे देख रेख में कार्य किया जा रहा है और जिला प्रशासन से जो भी अपेक्षाएं हैं देकुली धाम के विकास के लिए उसे पर जिला प्रशासन खड़ा उतरेगी। बिहार टूरिज्म के रूप में इसे लाया जायेगा। डीएम ने कहा की बेलवा में एक डैम का निर्माण किया जा रहा है। इस क्षेत्र को बाढ़ से राहत अधिक मिले। जल संसाधन के अधिनियम यह काम हो रहा है उसमें भी जो रोल है जिला प्रशासन का उसे शत प्रतिशत धरातल पर लाया जाएगा। इससे पूर्व निवर्तमान डीएम पंकज कुमार ने अपना पदभार सौपा।

भाजपा की राजनीति राज के लिए नहीं, देश के लिए हैः डॉ. संजय जायसवाल

बीएनएम। रक्सौलः रक्सौल के मारवाड़ी मंदिर के सभागार में मुख्य अतिथि डॉ. संजय जायसवाल ने कहा कि कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार जनता के लिए लगातार काम कर रही है। अब केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर जनता के बीच जाना है। आम जनता को पार्टी परिवार से जोड़ना है। बीजेपी कार्यकर्ता घर-घर जाकर हर परिवार से संपर्क कर नए सदस्य बनाएं। उन्होंने कहा कि बीजेपी के अभियान से नहीं जुड़ने वाले को भी पार्टी की रीति नीति जरूर बताएं। रक्सौल के कार्यकर्ता डेढ़ लाख सदस्य के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम करें। प्रदेश से आए प्रदेश उपाध्यक्ष सरोज रंजन पटेल जी ने कहा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदस्य बनाकर अभियान की शुरुआत की है। अब बीजेपी प्रदेश के साथ जिलों में सघन अभियान चलाएगी। बीजेपी कार्यकर्ता अभियान को गांव-गांव, गली-मोहल्ले तक लेकर जाएंगे। सदस्यता अभियान के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों से लोगों को अवगत करवाए। उन्होंने कहा, "बीजेपी राजनीति राज के लिए नहीं, देश बदलने के लिए करती है। भाजपा विधायक प्रमोद सिन्हा ने कार्यकर्ताओं से ज्यादा से ज्यादा सदस्य जोड़ने का संकल्प दिलाया। मौक़े पर पूर्व एमएलसी बबलू गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक पांडेय, भाजपा मुख्यालय सह प्रभारी ई. जितेन्द्र कुशवाहा, रामगोपाल खंडेलवाल जी, भाजयूमो प्रदेश उपाध्यक्ष धनरंजन कुशवाहा, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रमोद शंकर सिंह, ध्रुप प्रसाद, एवम् पार्टी के सभी मंच मोर्चा के जिलाध्यक्ष सहित सैकडों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारत ब्रांड में करोड़ो के गबन का लग रहा है आरोप

- रक्सौल के मिलरों पर गिर सकती गाज

बीएनएम। रक्सौल। अमलेश कुमार

"मेरे पास लिखित में कोई शिकायत नही किया गया है, अगर वैसा कुछ हुआ है तो इसकी जाँच जिलाधिकारी से कराई जाएगी।"
संजय जायसवाल, सांसद, पश्चिमी चम्पारण

भारत सरकार के द्वारा चलाए जा रहे हैं सबसे महत्वाकांक्षी योजना भारत ब्रांड जिसमें भारत आटा, भारत चावल व भारत दाल को भारत के लोगों को सस्ते मूल पर उपलब्ध कराना है। लेकिन इस योजना में रक्सौल के व्यापारियों के द्वारा सरकार को चूना लगाने का कार्य कर रही है। किसी को कानो कान खबर तक नही है। जिसमें व्यापारियों के द्वारा सरकार से कम मूल्य पर अनाज लेकर और गरीबों के पास ना पहुंचाकर बल्कि अपने गोदाम में पहुंचा रहे हैं। जिसमें करोड़ों रुपये के गबन करने का मामला प्रतीत हो रहा है। क्योंकि आज तक कहीं भी भारत ब्रांड का स्टोर नहीं दिखता है, जबकि सरकार से कई मीट्रिक टन अनाज का उठाव किया गया है। जिसका खुलासा आईटीआई रिपोर्ट में और संबंधित कार्यालय द्वारा दिया गया। इसके बावजूद भी भारत ब्रांड का वितरण कहीं नहीं दिख रहा है, जबकि भारत ब्रांड के तहत वितरण होने वाले भारत चावल, भारत दाल एवं भारत आटा सिर्फ और सिर्फ कागजों में ही दिख रहा है,और इसमें करोड़ों रुपए गबन कर लिया गया है। क्योंकि इस खेल में कहीं उन एजेंसियों के बीच में शामिल होने का अंदेशा लग रहा है क्योंकि इसका विवरण एवं डाटा केंद्रीय भंडार , एनसीसीएफ व एनएएफइडी को रखनी है।जबकि किसी भी माध्यम से इसका वितरण नहीं किया गया है। भारत ब्रांड के 80% अनाज को अपना ब्रांडिंग करवा कर अपनी थोक विक्रेताओं और 20% भारत ब्रांड बनाकर अपने ही थोक विक्रेताओं को भेज दिया गया। ये मामला तब प्रकाश में आया जब सदरे आलम के द्वारा इसका डाटा सबूत के साथ उपभोक्ता मामले खाद एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय भारत सरकार कृषि भवन नई दिल्ली को सूचना दिया गया। जिसमें जे के हाईटेक राइस मिल, मनोकामना फ्लोर मिल, मनोकामना एग्रो प्राइवेट लिमिटेड, शिवम रोलर फ्लोर मिल, शिव शक्ति मॉडर्न राइस एंड फ्लोर मिल तथा अन्य मिलर का नाम सामने आया है। हालांकि इसकी सत्यता बॉर्डर न्यूज़ मिरर नही करता है। लेकिन जब इस से सम्बंधित जानकारी एनसीसीएफ के पटना ब्रांच मैनेजर राजेश कुमार से फोन पर सम्पर्क कर पूछा गया भारत ब्रांड को लेकर कोई शिकायत किया गया है तब उन्होंने बताया कि शिकायत का आवेदन मिला है, वही जब बॉर्डर न्यूज़ मिरर अखबार से बोल रहे हैं उसके बाद उनका शुर बदल गया और उन्होंने फिर बताया की कोई भी शिकायत का आवेदन नही मिला है और शिकायतकर्ता के बारे में बोल दिया कि उनके द्वारा पैसे का डिमांड किया जा रहा है। वही जब रक्सौल के मिलरों से सम्पर्क किया गया जिसमें कई मिलरो से बात नही हो पाया जबकि मनोकामना फ्लावर मिल के मालिक भरत जी से बात हुआ जिसमें उन्होंने बताया कि हमलोग भारत ब्रांड से सम्बंधित कोई भी माल नही लिए है। बोला गया कि शहर से बाहर है बाद में बात किया जाएगा। वही जब इस सम्बंध में बेतीया लोक सभा क्षेत्र के सांसद डॉ० संजय जयसवाल से फोन पर सम्पर्क कर भारत ब्रांड के सम्बंध में पूछा गया तब उन्होंने बताया कि मेरे पास लिखित में कोई शिकायत नही किया गया है, अगर वैसा कुछ हुआ है तो इसकी जाँच जिलाधिकारी से कराई जाएगी। आपको बता दे कि प्रधानमंत्री के द्वारा भारत ब्रांड को प्रमोट किया जा रहा है। ताकि भारत के लोगो के जेब पर पड़ने वाली महंगाई कम हो। जिसमे भारत ब्रांड के तहत भारत के लोगो को 29 रुपये प्रति किलो चावल, 27.5 रुपये प्रति किलो आटा व 60 रुपये किलो दाल उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसके तहत लोगो को हमेशा थाली में दाल रोटी व चावल खाने को मिल सके। लेकिन रक्सौल के मिलरों के द्वारा सरकारी गोदामो से 1715 रु० प्रति क्यूंटल गेंहू का अनाज उठाया गया है और इसकी पिसाई करके 5 किलो व 10 किलो का पैकेट बना कर दुकानदारों को उपलब्ध कराना है ताकि भारत आटा 27.5 रुपये प्रति किलो लोगो को मिल सके। इसके बावजूद किसी भी व्यक्ति को इसका लाभ नही मिल पाया है और मिलरों के द्वारा अपने ब्रांड के माध्यम से 50 किलो के कट्टा में पैक कर बेच दिया गया है। जिसमे करोड़ो के हेरा फेरी होने की आशंका है ।जिसकी जांच निष्पक्ष तरीके से होती है तो बड़ी बड़ी मछली फस सकती है।

कैसे मिलेगा मनरेगा मे रोजगार..? यहां तो पंसस के माता-पिता भाई-भौजाई सहित परिवार के अन्य सदस्य ही हैं मजदूर

प्रवीण कुमार पाण्डेय। बीएनएम।अरेराज

नेपाल, लुधियाना और दिल्ली मे रह रहे लोग भी पंचायत मे कर रहे है मजदूरी

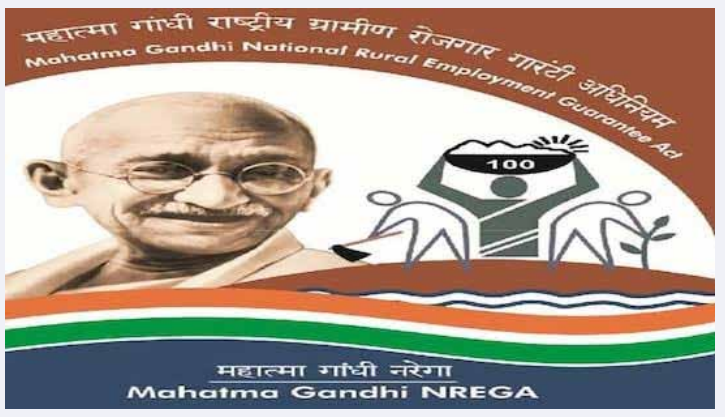

"तू हु लुट.., हमहू लुटी.. लुटे के आजादी बा, सबसे ज्यादा उ लूटत बा, जेकरा देह पर खादी बा" उक्त कहावत चरितार्थ हो रही है मनरेगा के तहत कराये जा रहे कार्य में.....!

ताजा मामला हरसिद्धि प्रखंड का है। जहां मनरेगा योजना में फर्जीवाड़ा का मामला रुकने का नाम ही नही ले रहा है। यहां मनरेगा योजना सरकारी कर्मियों एवं सफेदपोशों के लिए लूट का जरिया बन चुका है। मिली जानकारी के अनुसार हरसिद्धि प्रखंड के ओलहां मेहता टोला पंचायत से एक और अजीबोगरीब मामला सामने आया है। इस पंचायत के समिति सदस्य सरफराज राय द्वारा अपने माता-पिता, भाई, भौजाई और अन्य रिश्तेदार को मजदूर बनाकर उनके नाम पर पैसे की निकासी कर ली गई है। जबकि उनलोगों ने कोई काम किया ही नहीं है। इसको लेकर अब तरह-तरह की चर्चा शुरू हो गई है। सरकार ने उम्र के ढ़लान पर सहायता के लिए बुजुर्गों के लिए वृद्धा पेंशन योजना शुरु की है। जिससे उन्हें जीवन यापन के लिए किसी का मोहताज नही होना पड़े और नाही मेहनत व मजदूरी करनी पड़े। इसके विपरीत ओलहां मेहता टोला पंचायत के वृद्धों ने मेहनत कर रोटी कमाने के मामले में युवाओं को भी पीछे छोड़ दिया है। यहां वृद्धा पेंशन पा रहे वृद्ध भी मनरेगा में पसीना बहा रहे हैं। इसे वृद्धों का जज्बा कहें या विभाग की कारस्तानी। फिलहाल, मनरेगा योजना की जो तस्वीरें सामने आ रही है, वह सीधे तौर पर विभाग को कटघरे में खड़ा करने के लिए काफी है। जानकारी के मुताबिक प्रखंड क्षेत्र के ओलहां मेहता टोला पंचायत के पंचायत समिति सदस्य सरफराज राय के माता-माता वृद्ध हैं, लेकिन आलम यह है कि दोनों मनरेगा योजना के तहत खुद पंचायत समिति द्वारा कराये जा रहे एक योजना " वार्ड संख्या 10 में संजय पाल के खेत से टंगाई साह के खेत तक पोइन उड़ाही कार्य" के मास्टर रॉल संख्या 4112 में आसमहमद राय और खैरुल खातून को मजदूर दिखाया गया है। वही इन दोनों के अलावा पंचायत समिति सदस्य के भाई मुन्ना राय और समिति सदस्य की भौजाई एवं अन्य संबंधी भी इसी योजना मे फर्जी मजदूर है। जबकि एक अन्य मजदूर ललन साह लुधियाना में और बबन कुमार, संजय पटेल नेपाल में हैं। वही जुनैद अंसारी और अफजल अंसारी दिल्ली या किसी अन्य प्रदेश मे सिलाई करते हैं। इसके बावजूद ओलहां मे मजदूरी कर रहे है। यहां कागजी घोड़े पर दौड़ रहे मनरेगा योजना में वृद्धा पेंशन का लाभ लेने वालों के नाम पर भी सरकारी राशि के गबन का खेल खेला जा रहा है। मनरेगा मेट रविरंजन कुमार द्वारा मनरेगा पोर्टल पर बनाये गये फर्जी हाजरी मे बुधन मांझी और राजेन्द्र मांझी कार्य करते दिख रहे हैं अब सवाल ये है की बुधन मांझी और राजेन्द्र मांझी का जब मास्टर रॉल मे नाम ही नहीं है तो यह किसके दवाब मे ये मनरेगा का कार्य कर रहे हैं ? वही एक और मामला कनछेदवा पंचायत का है जहां एक राजद के प्रभावी नेता का पुत्र दिल्ली में इंजीनियर है लेकिन यहां मनरेगा पंजी में नाम दर्ज है। मनरेगा योजना के जानकार सिसवा के आरटीआई कार्यकर्ता अमरेन्द्र कुमार ने इस मामले मे उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने जांच के क्रम दोषी पाये जाने पर कठोर कार्रवाई करने की मांग विभाग से किया हैं।

कहते हैं अधिकारी- इस बाबत मनरेगा पीओ सतीश कुमार के मोबाइल पर संपर्क करने पर स्विच ऑफ पाया गया। वही डीडीसी मोतिहारी समीर सौरभ के दूरभाष पर संपर्क करने की कोशिश की गई तो उनका मोबाइल नंबर सेवा में नहीं बताया है।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेंगे बीपीआरओ व जनप्रतिनिधि

बीएनएम। मोतिहारी

पंचायती राज मंत्रालय, केंद्र सरकार द्वारा मंगलवार से पटना के ज्ञान भवन में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें भाग लेने के लिए चिरैया प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी संदीप कुमार को भी नामित किया गया है। इस बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि "सतत् विकास लक्ष्यों के सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण एवं सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत" विषय पर 10 से 12 सितम्बर 2024 तक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पूर्वी चंपारण जिले से छह महिला एवं चार पुरुष जनप्रतिनिधि तथा पदाधिकारी के रूप में जिला पंचायत राज पदाधिकारी (डीपीआरओ) सहित चिरैया बीपीआरओ संदीप कुमार एवं केसरिया बीपीआरओ खुशबू कुमारी को नामित किया गया है। वही उक्त कार्यशाला में पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार के पदाधिकारी एवं देश भर के विभिन्न राज्यों के निर्वाचित जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी तथा अन्य कर्मियों सहित लगभग 800 प्रतिभागी भाग लेंगे। इधर इस कार्यशाला में भाग लेने के लिए अन्य राज्यों से आने वाले पदाधिकारियों के सम्पर्क पदाधिकारी के रूप में राज्य के कई अधिकारी को नामित किया गया है।

वाल्मीकिनगर में वनकर्मियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

बीएनएम। बगहा

वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना वन प्रमंडल 2 के अंतर्गत सभी 5 रेंज के वनकर्मियों में वनपाल, वनरक्षी, टीटी और पीपी को सोमवार को वाल्मीकिनगर स्थित वन विभाग के ऑडियों-वीडियों के सभागार में वन अधिकारी और डब्ल्यू डब्ल्यू एफ के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य वन संपदा और वन्य जीवों की सुरक्षा और विकास के बिंदु पर केंद्रित रहा। इस सन्दर्भ में प्रशिक्षु डीएफओ स्टालिन फेडल कुमार ने बताया कि डिवीजन 2 के वाल्मीकिनगर , गोनौली, मदनपुर, चिउंटहा और हरनाटाड़ के सभी रेंज से वन कर्मियों को इसका प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने बताया कि वन कर्मियों को वनवर्ती गांवों में स्थापित इको विकास समिति के अधिकार, कार्य, महत्व और उनके दायित्व के बाबत विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही वनवर्ती गांवों में इडीसी की गठन के विभागीय नियमों के बाबत प्रशिक्षण दिया जा रहा है ।इसका मुख्य उद्देश्य वन संपदा और वन्य जीवों की सुरक्षा,संरक्षण और विकास है।साथ ही वन क्षेत्र में लगे कैमरा ट्रैप की कार्य प्रणाली, उपयोगिता , बाघों की पगचिह्न के सहारे मॉनिटरिंग, पगचिह्न की पहचान की जानकारी चलचित्र के माध्यम से दी गई। शीघ्र ही वनकर्मियो को इन मुख्य विंदू पर कार्यशाला के माध्यम से विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जायेगी। उन्होंने बताया कि वन कर्मियों को इस प्रशिक्षण के बाद वन क्षेत्र में वन संपदा तथा वन्य जीव के निगरानी में सुविधा प्राप्त होगी। नई टेक्निक के साथ कार्य सुगम और सुलभ हो जायेगा। कार्य में कोताही बरतने वाले वन कर्मियों की भी शिनाख्त करने को लेकर विभाग गंभीर है। लापरवाही बरतने वाले वन कर्मियों के ऊपर करवाई की जायेगी ।इस प्रशिक्षण में डीएफओ स्टालिन फेडल कुमार के अलावा ट्रेनर के रूप में डब्ल्यू डब्ल्यू एफ तराई आर्क लैंड स्केप के समन्वयक डॉ प्रकाश मर्दराज, डब्ल्यू डब्ल्यू एफ के परियोजना अधिकारी बांके लाल प्रजापति, वाल्मीकिनगर वनक्षेत्र पदाधिकारी राजकुमार पासवान, वनपाल नवीन कुमार के अलावा दर्जनों वन कर्मी मौजूद रहे।

पुलिस के बेहतर अनुसन्धान से टला मामला, धार्मिक उन्माद फैलाने की साजिशकर्ताओं पर कब होगी करवाई?

बीएनएम। मोतिहारी

लोगों ने कहा- आखिर पुलिस कब लेगी संज्ञान?

हरसिद्धि प्रखंड अंतर्गत मुरारपुर के युवती अपहरण मामले मे पुलिस की सार्थक अनुसन्धान और अथक प्रयास के कारण तुरकौलिया क्षेत्र मे धार्मिक उन्माद की आग की धुँआ उठने से पहले बुझा दी गयी। यही नहीं पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर कुछ लोगों के गलत मंशा पर पानी फेर दिया। क्योंकि इस मामले को लेकर तरह-तरह के अफवाहों को हवा दिया जा रहा है। पर्दे के पिछे से जो लोग राख को फूंक-फूंककर चिंगारी बनाकर किसी बेकसूर का आशियाना जलाना चाहते थे और मान-सम्मान को भी ठेस पहुचाना चाहते थे वे अब वह पुरी तरह से मायूस हो चुके होगें। निर्दोष की बलि चढ़ाने के अलावे जातीय समीकरण के आड़ में चम्पारण को दंगा की आग में ढकेलने का खेल भी खेलना चाहते थे। यकीनन अब वह उदास हो गए होगें। इस घटना को लेकर हिन्दू मुस्लिम, लव जिहाद जैसे न जाने कितने शब्दों का प्रयोग यूट्यूब, व्हाट्सऐप और फेसबुक पर किया जा रहा था। व्हाट्सएप्प पर तो कमेंट्स करने वालों का एक तरह से बाढ़ ही आ गया था। कुछ लोग तो सुबह-शाम कमेंट्स करके समाज में जहर फैलाने का काम करने में जुटे थे। साथ ही एबी हास्पिटल बोरिंग चौक तुरकौलिया को भी इस घटना से जोड़कर बदनाम करने का साजिश भी रच रहे थे। इन लोगों का केवल एक ही मंशा था कि इस घटना को लेकर किसी तरह से आपसी भाईचारा और सौहार्द के माहौल को बिगाड़ कर समाज को दंगा की आग में झोंक दिया जाए। लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अपहृत युवती को बरामद करके एक ही झटके में नफरती ताकतों को और षड़यंत्रकारियों को बेनकाब कर दिया है। पुलिस को हाथ भी उन लोगों तक भी पहुंचना चाहिए जो घटना की आड़ में समाज को सोशल मिडिया के माध्यम से उकसाकर नफरत की आग में ढकेल कर राजनीति की रोटी सेकना चाहते थे। एक तरफ घटना को लेकर पुलिस प्रशासन लगातार तफ्तीश और उद्भेदन करने में जुटी थी, बावजूद इसके दुसरी तरफ कुछ लोग सोशल मिडिया जैसे ह्वाट्सएप यूट्यूब और अखबार के माध्यम से समाज में नफरत की बीज क्यों बोने की कोशिश कर रहे थे। यह अभी भी अबुझ पहेली बना हुआ है। पुलिस को स्वतः संज्ञान लेते हुए इसका भी खुलासा करना चाहिए। अब बरामद युवती ने भी प्रेम मे भागने की बात स्वीकार कर ली। युवती बालिग है इसलिए न्यायालय को उसकी मर्जी भी सुननी पड़ेगी। युवती ने अपने प्रेमी के साथ ही रहने की बात कही है। अब देखना ये है कि पुलिस कब तथाकथित खबरिया यूट्यूबरो पर करवाई करती है। अगर पुलिस इन तथाकथित खबरिया यूट्यूबरो पर करवाई नही करती है तो ये अपनी हरकतों से कभी भी कोई दंगा भड़का सकते हैं। हालांकि कि इस मामले में एक दैनिक अखबार के पत्रकार का नाम भी सामने आ रहा जो इन यूट्यूबरो को शह दे रहे थे। बहरहाल, इस मामले में पुलिस की बेहतर कार्यों की सराहना होनी चाहिए।

जीवन से पलायन का डरावना सत्य है आत्महत्या

ललित गर्ग

(विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस- 10 सितम्बर, 2024)

आत्महत्या दुनियाभर में एक गंभीर मुद्दा एवं बड़ी समस्या है। मौजूदा समय में दुनिया भर में इसके मामले खतरनाक दर से बढ़ रहे हैं। ऐसे में इस गंभीर विषय के प्रति लोगों को जागरूक करने एवं आत्महत्या का पलायनवादी विचार छोड़ने के उद्देश्य से हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस (डब्ल्यूएसपीडी) मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने साल 2024 के लिए इस दिवस की थीम 'चेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइड यानी 'आत्महत्या पर कथ्य बदलना' रखी गयी है। इस दिन को मनाने का खास मकसद इस बात को लोगों तक पहुंचाना है कि आत्महत्याओं को रोका जा सकता है। साथ ही उन्हें यह भी बताना है कि आत्महत्या के अलावा जीवन में और भी बेहतर विकल्प हैं। इसके अलावा एक ऐसी समाज-व्यवस्था को बढ़ावा देना है जहां लोग मदद लेने में हिचकिचाए नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयोग के लिये आगे आये। निश्चित रूप से खुदकुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है और ऐसा फैसला करने वालों के भीतर वंचना का अहसास, उससे उपजे तनाव, दबाव और दुख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि दुनिया भर में हर साल आठ लाख लोग आत्महत्या करते हैं, इससे कई गुना अधिक लोग आत्महत्या की कोशिश करते हैं और इसका असर बहुत ज्यादा लोगों पर पड़ रहा है। इसके अलावा, यह 15 और 29 वर्ष की आयु के लोगों की मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण है। संयुक्त राज्य अमेरिका में मृत्यु के शीर्ष 10 प्रमुख कारणों में से एक आत्महत्या है, जहां हर 11 मिनट में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है। भारत में प्रतिवर्ष 135,000 लोग आत्महत्या करते हैं, जो दुनिया की कुल आत्महत्याओं का 17 प्रतिशत हैं। आत्महत्या करने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे बुढ़ापा, दीर्घकालिक बीमारियाँ, वित्तीय समस्याएँ, आत्महत्या का पारिवारिक इतिहास, आय में कमी, वैवाहिक अलगाव, नकारात्मक जीवन के अनुभव, विकलांगता की ओर ले जाने वाली शारीरिक बीमारी आदि। इसके अलावा, कई मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ आत्महत्या के बढ़ते जोखिम से जुड़ी हुई हैं, जैसे शराब की लत, अवसाद, तनाव, विकार आदि। लोग अवसाद, लाचारी और जीवन में कुछ नहीं कर पाने की हताशा के चलते भी आत्महत्या करते हैं। मौजूदा समय में दुनिया भर में आत्महत्या के मामले खतरनाक दर से बढ़ रहे हैं। आत्महत्यामुक्त समाज-संरचना के लिए लंबे समय से कई तरह की कोशिशें की जा रही हैं। आत्महत्या एक गंभीर मुद्दा है, जो पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। आत्महत्या एक वैश्विक चुनौती है, जिससे हर साल लाखों लोग प्रभावित होते हैं। इस दिवस के माध्यम से सरकारों, संगठनों, समुदायों और व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को आत्महत्या रोकने के लिए कदम उठाने की प्रेरणा दी जाती है।

भारतीय संदर्भ में आत्महत्या एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, वर्ष 2021 में आत्महत्या करने वाली महिलाओं में गृहिणियों का अनुपात 51.5 प्रतिशत था। इस संदर्भ में केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और कर्नाटक सूची में शीर्ष पर हैं। आत्महत्या की कुल घटनाओं में लगभग 15 प्रतिशत गृहिणियों से संबंधित हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को रेखांकित करती है। पिछले दो दशकों में, आत्महत्या की दर 7.9 से बढ़कर 10.3 प्रति 100,000 हो गई है। 2021 की रिपोर्ट पर गौर करें तो उत्तराखंड में एक वर्ष में 717 लोगों ने आत्महत्या की। इसमें 463 महिलाएं हैं और इसका सबसे बड़ा कारण पारिवारिक समस्या है। ऐसे में मनोविज्ञानियों की सलाह है कि परिवार में सामंजस्य बनाकर ही खुशहाल जिंदगी जीना संभव है। इसके लिए जागरूकता की जरूरत है जिससे की सकारात्मक सोच के साथ संघर्ष करने की सामर्थ्य पैदा हो सके। युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा अपनी योग्यता व क्षमता से अधिक हो चुकी है। परिवार पर नियंत्रण नहीं है और न ही सामंजस्य रह गया है। तनाव सहने की क्षमता नहीं है। असफलता का डर और पारिवारिक समस्याएं व्यक्ति को पूरी तरह प्रभावित कर रही है, जिसकी वजह आत्महत्याएं हो रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 36 प्रतिशत लोग गंभीर अवसाद से ग्रस्त हैं इसलिए हमें सबसे पहले अवसाद को दूर करना होगा। आर्थिक संपन्नता के साथ ही मानसिक रूप से स्वस्थ होने पर जोर देना होगा। वहीं जिस तरह किशोरों में पढ़ाई के दबाव से आत्महत्या के मामले बढ़ गए हैं। इसे लेकर भी अभिभावकों से लेकर समाज को नए सिरे विचार करना होगा। बच्चों को शुरुआत से ही उसकी पसंद के करियर के साथ जीवन के झंझावतों को झेलने के लिए भी प्रेरित करते रहना होगा। आजकल कई लोग मानसिक समस्याओं का शिकार हो रहे हैं। इन दिनों लोग अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव की वजह से कई सारी समस्याओं का शिकार होते जा रहे हैं। दुनियाभर में तनाव और डिप्रेशन से कई सारे जूझ रहे हैं। यह एक तरह का गंभीर मानसिक विकार है, जिसके सही इलाज न मिलने पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। डिप्रेशन के शिकार कई लोग खुदकुशी तक कर लेते हैं। इधर तीन-चार दशकों में चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से जहां बीमारियों से होने वाली मृत्यु संख्या में कमी आयी है, वहीं इस वैज्ञानिक प्रगति, भौतिकवादी जीवनशैली एवं तथाकथित विकास के बीच आत्महत्याओं की संख्या पहले से अधिक हो गई है। चिंता की बात यह भी है कि आज के सुविधाभोगी एवं प्रतिस्पर्धी जीवन ने तनाव, अवसाद, असंतुलन को बढ़ावा दिया है, अब सन्तोष धन का स्थान अंग्रेजी के मोर धन ने ले लिया है। जब सुविधावादी मनोवृत्ति, कैरियर एवं बी नम्बर वन की दौड़ सिर पर सवार होती हैं और उन्हें पूरा करने के लिये साधन, सामर्थ्य एवं परिस्थितियां नहीं जुटा पाते हैं, या काम का दबाब अति हो जाता है, तब कुंठित, तनाव एवं अवसादग्रस्त व्यक्ति को अन्तिम समाधान आत्महत्या में ही दिखता है। सिनेमा में हंसता-खेलता और सार्वजनिक जीवन में लोगों का पसंदीदा बन गया कलाकार आखिर किसी दिन अचानक खुदकुशी कर लेता है। मगर किसी भी स्थिति में जीवन खो देने के बजाय हालात से लड़ना और उसका हल निकालना ही बेहतर रास्ता होता है, यह सीख कौन देगा? पर मुख्य सवाल यही रह जाता है कि आमतौर पर सभी सुविधाओं एवं समृद्धताओं के शिखर पर स्थापित एवं अपने आसपास कई स्तर पर समर्थ लोगों की दुनिया में सार्वजनिक रूप से अक्सर मजबूत दिखने के बावजूद कोई व्यक्ति भीतर से इतना कमजोर क्यों हो जाता है कि जिंदगी के उतार-चढ़ाव या झटकों को बर्दाश्त नहीं कर पाता? पर वे कौन-सी और कैसी असामान्य परिस्थितियां इन कलाकारों के सामने रही कि उन्होंने उनसे बचने या टकराने के बजाय जिंदगी की हार यानी आत्महत्या का रास्ता चुना? जो परिवार तलाक, अलगाव, आर्थिक कलह एवं अभावों, रिश्तों के कलह के कारण टूटी हुयी स्थिति में होते हैं उनमें भी आत्महत्या की घटनाएं अधिक पायी जाती हैं। राजनैतिक उथल-पुथल और व्यापार में नुकसान, आर्थिक तंगी भी आत्महत्या का कारण बनती है। किसानों की फसल की तबाही और कर्ज की अदायगी की चिंता से हो रही आत्महत्या भी गंभीर समस्या बन गई है। कर्ज लेकर घी पीने की जीवनशैली ने भी सबकुछ दांव पर लगा दिया है। औद्योगीकरण तथा नगरीकरण में वृद्धि भी इसके कारण है। भौतिक मूल्यों के बढ़ते हुए प्रभाव ने सामाजिक सामंजस्य की नई समस्याओं को जन्म दिया है। लेकिन आत्महत्या किसी भी सभ्य एवं सुसंस्कृत समाज के भाल पर एक बदनुमा दाग है, कलंक हैं। टायन्बी ने सत्य कहा हैं कि कोई भी संस्कृति आत्महत्या से मरती है, हत्या से नहीं।' आत्महत्या की इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों पर नियंत्रण जरूरी है। इसके लिये जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थितियों से गुजर रहा होता है, तो उसमें आस-पड़ोस, रिश्तेदार, दोस्त, सहकर्मी आदि उसे उनसे बाहर निकालने का प्रयास करते हैं। मगर हैरानी की बात है कि अब समाज अपनी यह भूमिका क्यों नहीं निभा पा रहा है। इस चिंताजनक स्थिति से निपटने के लिए सरकार के स्तर पर कारगर उपाय जुटाने की दरकार है। जिंदगी ख़ुद को सुधारने का एक मौका हर किसी को जरूर देती है, लेकिन सुसाइड तो जिंदगी ही छीन लेती है।

सन्मार्ग की प्रवृत्ति

उत्तम कार्य की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है कि लोगों को भ्रम हो जाता है कि कहीं यह दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने पड़ती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकता व उपयोगिता सर्वत्र स्वीकारी जा सकती है। परन्तु कई बार ऐसी सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसे करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता। दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी की भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है।

महान लोगों को हमेशा ही सामान्य मन से हिंसक विरोध का सामना करना पड़ता है।

- अल्बर्ट आइंस्टीन

पिता की सेवा अथवा उनकी आज्ञा का पालन करने से बढ़कर और कोई धर्माचरण नहीं है।

- वाल्मीकि

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र पद शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि सप्तमी, मंगलवासरे, अनुराधा नक्षत्रे 23/07 विव योगे, वणिक करणे, वृश्चिक की चंद्रमा, भद्रा 29/55 संतान सप्तमी मुक्तामाणि सप्तमी व्रत, शिव पार्वती पूजा मूल प्रा.4/18 तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान किन्तु जिद्दी, हठी, अड़ियल, स्वभाव का दानीमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, लकड़ी का व्यापारी, ठेकेदार तथा ठेका चलाने वाला, बीड़ी सिगरेट बनाने वाला, उद्यमी किराना-कपड़ा व्यापारी होगा।

मेष राशि - भाग्य का सितारा साथ देगा, किसी के बहकावे से कष्ट, व्यर्थ परिश्रम से बचकर चलें, हानि हो।

वृष राशि - कार्य कुशलता से संतोष, प्रयत्न सफल होंगे, विवेक पूर्ण संघर्ष, लाभप्रद निश्चय होगा।

मिथुन राशि - आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, मानसिक प्रभुत्व वृद्धि, यात्रा में सावधान बरतें।

कर्क राशि - प्रयास विफुल हों, दैनिक कार्य में बाधा, अर्थ व्यवस्था छिन्न-भिन्न बनी ही रहेगी।

सिंह राशि - आर्थिक कार्यगति मे सुधार व अनुकूलता रहेगी, कुटुम्ब व स्त्री की चिंता बनेगी।

कन्या राशि - कुटुम्ब व स्त्री की चिन्ता, सुख कम होगा, व्यावसायिक कार्य में सफलता मिलेगी।

तुला राशि - भाग्य का सितारा साथ दे, बिगड़े कार्य बनेंगे, कार्य कुशलता से संतोष अवश्य होगा।

वृश्चिक राशि - स्थिति में सुधार होते हुए भी फलप्रद नहीं, मन में उद्विग्नता अवश्य बन रहेगी।

धनु राशि - कार्यगति में अनुकूलता, सुखों में समय बीते, बुजुर्गों की राय का लाभ मिलेगा।

मकर - स्त्री वर्ग से भोग-एश्वर्य की प्राप्ति, कार्यकुशलता से सुख बना ही रहेगा ध्यान दें।

कुंभ राशि - कार्य गति में अनुकूलता, चिंताएW कम हों अत सफलता के साधन अवश्य जुटायें।

मीन राशि - चिन्ताए दूर हो, इष्ट मित्र सुख वर्धक हा, सोचे हुए कार्य अवश्य पूर्ण होगे।

आत्महत्या किसी समस्या का हल नहीं

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जिसका यह संदेश है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में जन जागरुकता से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस का उद्देश्य आत्महत्या की मनोवृत्ति पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं। जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2024 की थीम है 'आत्महत्या पर कहानी बदलना।' इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है। दुनियाभर के साथ-साथ भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 170924 लोगों ने आत्महत्या की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को करिअर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं। जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है। इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है। जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या के पीछे अधिकांशतः अवसाद को जिम्मेदार ठहराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल या कठिन परिस्थितियों से बाहर नहीं निकल पाता। मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुल कर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में मेंटल हेल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसलिंग मांगी जा सकती है। कई सुसाइड हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किया जा सकता है।

एक्ट ऑफ़ फ़्रॉड और प्रधानमंत्री की मुआफ़ी?

निर्मल रानी

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग ज़िले के मालवन में स्थित राजकोट क़िले में केवल आठ माह पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों छत्रपति शिवाजी महाराज की जिस 35 फ़ुट ऊँची मूर्ति का उद्घाटन किया गया था वह प्रतिमा गत 26 अगस्त को ताश के पत्तों की तरह ढह गयी। चूँकि शिवाजी महाराज को मराठा स्मिता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है और इसी महाराष्ट्र राज्य में शीघ्र ही विधानसभा चुनाव भी होने वाले हैं इसलिये वक़्त की नज़ाकत को भांपते हुये शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा ढहने के मामले पर स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छत्रपति शिवाजी से माफ़ी मांगने के लिये सामने आना पड़ा। मूर्ति खंडित होने के बाद महाराष्ट्र के पालघर ज़िले में वधावन बंदरगाह परियोजना के शिलान्यास समारोह के दौरान मोदी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज न केवल हमारे लिए एक महान व्यक्ति हैं, बल्कि वह हमारे आदर्श हैं। मैं उस मूर्ति के चरणों में झुक रहा हूं और अब उनसे सिर झुकाकर माफ़ी मांग रहा हूं। हमारे लिए शिवाजी आराध्य देव हैं। प्रधानमंत्री की मुआफ़ी से पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी यही कहा था कि वे इस घटना पर सौ बार माफ़ी मांगने को तैयार हैं। जबकि उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने भी इस घटना के फ़ौरन बाद ही माफ़ी मांग ली थी। किसी मूर्ति खंडित होने के बाद भ्रष्टाचार के इसतरह सिर चढ़कर बोलने के बाद आजतक मुआफ़ियों का ऐसा सिलसिला पहले कभी नहीं देखा गया। परन्तु इन मुआफ़ी नामों का केवल एक ही कारण है कि राज्य में चुनाव सिर पर हैं और विपक्ष छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा विखंडित होने को लेकर सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी पर यही कहते हुये हमलावर है कि चूँकि मूर्ति निर्माण व स्थापना के काम की गुणवत्ता की भारी कमी थी और इसके अनावरण में जल्दबाज़ी की गयी। जिसका कारण केवल भ्रष्टाचार था। और भ्रष्टाचार की वजह से हवा के झोंके मात्र से मूर्ति का गिरना बेहद शर्मनाक है। इसी तरह गत वर्ष उज्जैन के महाकाल लोक में 15 करोड़ रूपये की लागत से बनाई गयी देवताओं,ऋषियों मुनियों व की मूर्तियां जिनमें प्रति मूर्ति की क़ीमत लगभग 11लाख रूपये बताई गयी थी, उनमें कई मूर्तियां तेज़ हवा में उड़कर दूर जा गिरी थीं और बुरी तरह खंडित हो गयी थीं। यह मूर्तियां भी अंदर से खोखली थीं और इन्हें स्टील रॉड से अंदर से मज़बूत नहीं किया गया था। ऐसी लगभग 136 मूर्तियां पूरे महाकाल लोक में लगाई गई हैं। तेज़ आंधी-तूफ़ान में इन मूर्तियों के उड़कर गिरने व खंडित होने के समय भी इसके निर्माण में हुये घोर भ्रष्टाचार पर सवाल उठे थे। परन्तु उस समय किसी ने मुआफ़ी मांगने की ज़रुरत महसूस नहीं की थी क्योंकि तब चुनाव भी दूर थे और वैसे भी इन भ्रष्टाचारियों को पता था कि देवताओं,ऋषियों मुनियों के मूर्ति विखंडित होने से चुनाव पर कोई फ़र्क़ नहीं पड़ने वाला। परन्तु सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री के मुआफ़ी मांगने के बावजूद भ्रष्टाचार के कलंक को धोया भी जा सकेगा? और प्रधानमंत्री कहाँ कहाँ मुआफ़ी मांगते फिरेंगे? राम मंदिर बारिश में टपकने लगा,देश का नवनिर्मित संसद भवन भी टपकता नज़र आया। अयोध्या का राम पथ जगह जगह धंस गया तो दिल्ली सहित देश के कई हवाई अड्डे की छतें कहीं धराशायी हो आईं तो कहीं टपकने लगीं। 30 अक्टूबर 2022 को गुजरात के मोरबी में केबल ब्रिज हादसे में 135 लोगों की मौत हो गई थी। कितनी रेल दुर्घटनाएं हो रही हैं। यह सभी भ्रष्टाचार और लापरवाही के मामले थे। किसी ने न तो मुआफ़ी मांगी न ग़लती स्वीकार की। कितने शहरों में भ्रष्टाचार के कारण जल निकासी न होने से शहर के शहर डूब रहे हैं। कोई पूछने वाला नहीं। कोई ज़िम्मेदार नहीं। परन्तु जब कोलकाता में 31 मार्च 2016 को विवेकानंद पुल गिरने की घटना हुई उस समय चुनावी बेला में प्रधानमंत्री ने इस हादसे पर कैसी कैसी बातें की थीं। प्रधानमंत्री ने ममता बनर्जी पर मौत की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि -कोलकाता में हुआ फ़्लाई ओवर हादसा दैविक संदेश है कि लोग बंगाल को तृणमूल कांग्रेस से बचाएं। यह एक्ट ऑफ़ गॉड नहीं एक्ट ऑफ फ्रॉड है। उन्होंने ममता बनर्जी को सम्बोधित करते हुये एक जनसभा में कहा था कि- कम से कम मृतकों को तो सम्मान दीजिए। लेकिन दीदी को मरते लोग नहीं, कुर्सी दिखाई पड़ती है। उनकी बेशर्मी तो देखिए। यह एक बड़ा हादसा था, लेकिन उन्होंने आरोप-प्रत्यारोप का खेल शुरू कर दिया। देश ने जब प्रधानमंत्री का न खाऊंगा न खाने दूंगा का वचन सुना तो देशवासियों में निश्चित रूप से यह उम्मीद जगी थी कि शायद देश अब भ्रष्टाचार मुक्त होने जा रहा है। देश भर में भ्रष्टाचार के आरोपियों या संदिग्धों पर पड़ने वाले ई डी,सी बी आई व आयकर विभाग के छापे भी यही संकेत दे रहे थे। स्वयं को जब प्रधानमंत्री ने चौकीदार बताया तो भी देश को लगा था कि देश की सीमाओं सहित धन सम्पदाओं व राजस्व की निगरानी होगी। परन्तु शीघ्र ही जब इसी देश ने यह भी देखा कि प्रधानमंत्री द्वारा कल तक जिन्हें भ्रष्टाचारी बताया जा रहा था वही प्रधानमंत्री के पाले में आने के बाद न केवल सदाचारी हो जाते हैं बल्कि मुख्यमंत्री उपमुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद भी हासिल कर लेते हैं? देश ने यह भी देखा कि किस तरह भ्रष्टाचारियों ने एलेक्टोरल बांड ख़रीद कर भ्रष्टाचार करने और देश को लूटने का लाइसेंस हासिल कर लिया है। किस तरह चंद उद्योगपतियों के हवाले देश के अनेक सरकारी उपक्रम किये जा रहे हैं यह भी देश देख रहा है। ऐसे में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का गिरना और केवल महाराष्ट्र के चुनावी वातावरण में मुआफ़ी मांग कर भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की कोशिश करना पर्याप्त नहीं होगा। देश यह कैसे नज़रअंदाज़ कर सकता है कि हर्बर्ट बेकर व एडविन लुटियंस की डिज़ाइन पर निर्मित व 1927 में उद्घाटन किया गया देश का संसद भवन तो आज तक बारिश में नहीं टपका परन्तु नवनिर्मित संसद भवन एक बारिश भी झेल नहीं सका? इसी तरह पुणे के शिवाजी नगर में 96 वर्ष पूर्व शाहूजी महाराज की पहल पर लगाई गयी छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा तो अभी तक जस की तस खड़ी है जबकि मात्र 8 महीने पहले बनी शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढह गई है। ज़रुरत तो इसी बात की है कि 2016 में जिसतरह प्रधानमंत्री ने कोलकता के विवेकानंद पुल गिरने की घटना को एक्ट ऑफ़ फ्रॉड बताया था और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को खरी खोटी सुनाई थी उसी तरह की प्रतिक्रिया छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने पर भी आनी चाहिये। साथ ही इस ग़ैरज़िम्मेदाराना कृत्य के लिये ज़िम्मेदार लोगों को सख़्त सज़ा भी दी जानी चाहिये।

पंजाब और हरियाणा में गहराता जल संकट

डॉ. सत्यवान सौरभ

पंजाब और हरियाणा में धान की खेती भारत की खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, परंतु जल पर अत्यधिक निर्भरता के कारण यह असंधारणीय होती जा रही है। धान की खेती के कारण भूजल का अत्यधिक दोहन होने से इस क्षेत्र में गंभीर जल संकट उत्पन्न हो गया है। हरियाणा में 88 जल इकाइयों को अत्यधिक दोहन वाली श्रेणी में रखा गया है। इस समस्या से निपटने के लिए कृषि और जल संसाधन दोनों की सुरक्षा के लिए तत्काल सुधार की आवश्यकता है। भूजल का अत्यधिक दोहनः पंजाब और हरियाणा में धान की खेती के लिए अत्यधिक सिंचाई की आवश्यकता होती है, जिससे भूजल स्तर में भारी कमी आई है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के 2023 में किए गए अध्ययन में पाया गया कि धान की खेती के लिए अत्यधिक जल दोहन के कारण पंजाब के 87% ब्लॉकों का अति दोहन किया गया। धान की खेती में प्रति किलो चावल के लिए लगभग 4,000-5,000 लीटर जल की खपत होती है, जिससे क्षेत्र के जल संसाधनों पर बहुत ज़्यादा दबाव पड़ता है। इसकी तुलना में बाजरे को प्रति किलो केवल 500 लीटर जल की आवश्यकता होती है, जो जल की आवश्यकताओं में भारी अंतर और धान की खेती की असंधारणीय प्रकृति को दर्शाता है। ट्यूबवेल के लिए दी जाने वाली मुफ़्त बिजली ने भूजल के अनियंत्रित दोहन को बढ़ावा दिया है, जिससे यह संकट और भी बढ़ गया है। पंजाब के किसानों को वर्ष 2023-24 में बिजली, नहर के पानी और उर्वरक के लिए 38,973 रुपये प्रति हेक्टेयर की सब्सिडी मिली, जिससे भूजल का निरंतर रूप से अतिदोहन हो रहा है। धान की खेती के कारण बढ़ता जल तनाव, जलवायु परिवर्तन के कारण और भी अधिक हो गया है, अनियमित वर्षा के कारण जलभृतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पंजाब और हरियाणा के जल स्तर में तेजी से हो रही गिरावट से कृषि की दीर्घकालिक व्यवहार्यता को खतरा है। धान की खेती एकल फसल प्रणाली को बढ़ावा देती है, जिससे जैव विविधता कम होती है और मृदा के पोषक तत्व कम होते हैं, जिससे कृषि संधारणीयता में कमी आती है। अध्ययनों के अनुसार फसल चक्रण से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है परंतु धान की खेती ऐसी विविधता को हतोत्साहित करती है। जल की अधिक माँग के कारण रासायनिक उर्वरकों का उपयोग भी बढ़ जाता है, जिससे मृदा की गुणवत्ता और भी खराब हो जाती है तथा जल स्रोत प्रदूषित हो जाते हैं। बाढ़ सिंचाई, धान की खेती में प्रयुक्त होने वाली एक प्रमुख विधि है, जिससे वाष्पीकरण और अपवाह के

माध्यम से जल की बहुत बर्बादी होती है। निरंतर धान की खेती से मृदा लवणता बढ़ जाती है, जिससे कृषि भूमि की उत्पादकता कम हो जाती है और यह अन्य फसलों के लिए कम उपयुक्त हो जाती है। धान के खेत, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, विशेष रूप से मीथेन के उत्सर्जन में जो जलवायु परिवर्तन को बढ़ाता है और दीर्घकालिक कृषि व्यवहार्यता को प्रभावित करता है। धान की खेती प्रति हेक्टेयर 5 टन कार्बोडीऑक्सीडे समतुल्य हानिकारक गैस उत्पन्न करती है, जो इसे कृषि उत्सर्जन में एक प्रमुख योगदानकर्ता बनाती है। दालों, तिलहनों और बाजरा जैसी कम जल की खपत वाली फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने से जल का उपयोग काफी कम हो सकता है और संधारणीयता में सुधार हो सकता है। पंजाब की 2024 की योजना, धान को छोड़कर वैकल्पिक फसलों को उगाने के लिए 17,500 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रोत्साहन की पेशकश करती है, जिसका उद्देश्य विविधीकरण को प्रोत्साहित करना है। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए धान से अन्य संधारणीय फसलों पर सब्सिडी को पुनर्निर्देशित करना आवश्यक है। डायरेक्ट सीडिंग ऑफ राइस और सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों जैसी प्रथाओं को बढ़ावा देने से पैदावार को बनाए रखते हुए जल संरक्षण में मदद मिल सकती है। एमएसपी और खरीद कार्यक्रमों के माध्यम से दालों और तिलहन जैसी फसलों के लिए बाजार आश्वासन सुनिश्चित करने से किसानों के धान के अलावा अन्य फसलों को उगाने का डर, कम हो सकता है। भारतीय खाद्य निगम ने वर्ष 2023 में पंजाब का 92.5% चावल खरीदा, इसी तरह के तंत्र वैकल्पिक फसलों को उगाने की प्रथा को बढ़ावा दे सकते हैं। फसल विविधीकरण और जल-बचत प्रथाओं के लाभों के संबंध में किसानों को शिक्षित करने से दीर्घकालिक परिवर्तन को बढ़ावा मिल सकता है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वित प्रयास, पुनर्गठित सब्सिडी, जल-कुशल प्रथाओं और बाजार आश्वासन पर ध्यान केंद्रित करके, पंजाब और हरियाणा को सतत कृषि की ओर उन्मुख किया जा सकता है। इस तरह के सुधार कृषि उत्पादकता को पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित करेंगे, क्षेत्र के जल संसाधनों को सुरक्षित करेंगे और इसके कृषक समुदायों के भविष्य को सुनिश्चित करेंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

करियर को दें रफ्तार

दसवीं के बाद अमूमन स्टूडेंट्स आगे की पढ़ाई के लिए सोचते हैं, लेकिन जो स्टूडेंट किसी वजह से ऐसा नहीं कर पाते, वे शॉर्ट-टर्म जॉब ओरिएंटेड कोर्स करके करियर की राह पर कदम बढ़ा सकते हैं। कुछ ऐसे फील्ड भी हैं, जिनमें दसवीं के बाद ही नौकरी के लिए प्रयास कर सकते हैं। कौन-कौन से हैं ऐसे कोर्सेज और फील्ड्स, उन पर एक नजर..

पॉपुलर कोर्स

पॉलिटेक्निक से डिप्लोमा : जेई बनने का प्लेटफॉर्म

भारत में टेक्निकल एजुकेशन प्रदान करने वाले पॉलिटेक्निक्स ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआइसीटीई) से मान्यता प्राप्त होते हैं। अगर कोई स्टूडेंट टेक्निकल फील्ड में करियर बनाना चाहता है, तो वह दसवीं के बाद किसी पॉलिटेक्निक से इंजीनियरिंग में तीन साल का डिप्लोमा कोर्स कर सकता है। मैकेनिकल, टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्युनिकेशन, सिविल, ऑटोमोबाइल ब्रांच में इंजीनियरिंग के अलावा, सिस्टम मैनेजमेंट, फैशन टेक्नोलॉजी, इंटीरियर डेकोरेशन जैसे आज के हॉट कोर्स में भी डिप्लोमा किया जा सकता है। पॉलिटेक्निक में दाखिले के लिए देश के अलग-अलग राज्यों में स्टेट लेवल पर (जैसे यूपी में प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा) एंट्रेंस एग्जाम होता है। इसे क्वालिफाई करने वाले स्टूडेंट्स को काउंसलिंग के बाद उनकी मेरिट के मुताबिक एडमिशन दिया जाता है। एंट्रेंस एग्जाम में 10वीं लेवल की मैथ्स, फिजिक्स, केमिस्ट्री के साथ जीके, रीजनिंग से जुड़े कॉमन क्वैश्चन पूछे जाते हैं। पॉलिटेक्निक डिप्लोमा के आधार पर सरकारी और निजी क्षेत्र के संस्थानों में जूनियर इंजीनियर के रूप में नौकरी की शुरुआत की जा सकती है।

आइटीआइ: तकनीक में महारत

अगर आपका इंट्रेस्ट मशीनों या कोई स्पेशल क्राफ्ट सीखने में है, तो दसवीं के बाद आपके पास इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट यानी आइटीआइ से कई तरह के शॉर्ट टर्म कोर्स करने के ऑप्शंस हैं। भारत सरकार के श्रम मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त ये आइटीआइ अपने यहां इंजीनियरिंग और नॉन-इंजीनियरिंग फील्ड से रिलेटेड तमाम तरह के स्किल बेस्ड कोर्स संचालित करते हैं, जैसे-ऑटोमोबाइल, डीजल मैकेनिक, इलेक्ट्रिशियन, मोटर ड्राइवर कम मैकेनिक, वेल्डर, फिटर आदि। ये कोर्सेज एक से तीन साल के होते हैं, जिनमें मेरिट के आधार पर दाखिला मिलता है। कोर्स कंप्लीट करने पर प्राइवेट सेक्टर के कारखानों, इंडियन रेलवे, टेलीकॉम डिपार्टमेंट आदि में जॉब मिल सकती है। चाहें तो खुद का काम भी कर सकते हैं।

आइटी इंजीनियर : हार्डवेयर ऐंड सॉफ्टवेयर प्रोग्राम्स

आज कंप्यूटर की उपयोगिता बढ़ने से इसकी मेंटिनेंस करने वाले स्किल्ड लोगों की डिमांड भी बढ़ी है। अगर कंप्यूटर में दिलचस्पी है, तो आप एडवांस हार्डवेयर/नेटवर्किंग या सॉफ्टवेयर से जुड़ा कोर्स कर सकते हैं। 10वीं के बाद स्टूडेंट्स कंप्यूटर कॉन्सेप्ट कोर्स (सीसीसी) कर सकते हैं। इसमें कंप्यूटर की बेसिक जानकारी, इंटरनेट का उपयोग, कंप्यूटर अकाउंट की जांच करना आदि सिखाया जाता है। यह कोर्स भारत सरकार के मान्यता प्राप्त संस्थान डीओइएसीसी और इसके ब्रांचेज से कर सकते हैं। कई प्राइवेट इंस्टीट्यूट्स भी ऐसे कोर्स कराते हैं। स्टूडेंट्स तीन महीने का सर्टिफिकेट इन एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर, छह महीने का कंप्यूटर एप्लीकेशन कोर्स और 12 महीने का डिप्लोमा इन कंप्यूटर प्रोग्रामिंग ऐंड एप्लीकेशंस कोर्स भी कर सकते हैं।

हेयर डिजाइनिंग : बालों को दें स्टाइल

हेयर स्टाइल का क्रेज जिस तरह से लोगों में बढ़ता जा रहा है, उससे इस क्षेत्र में स्टाइलिस्ट हेयर डिजाइनर की डिमांड बढ़ गई है। इंट्रेस्टेड कैंडिडेट 10वीं के बाद डिप्लोमा इन हेयर डिजाइनिंग कोर्स कर इस फील्ड मेंएंट्री ले सकते हैं। हेयर डिजाइनिंग में डिप्लोमा मात्र चार महीने का कोर्स है। इसके बाद आपको सैलून, स्पा, होटल्स, ब्यूटी इंडस्ट्रीज और कॉस्मेटिक्स यूनिट्स में काम मिल सकता है। चाहें तो खुद का सैलून भी स्टार्ट कर सकते हैं। इसके अलावा, पेडीक्योर, मेनीक्योर और कॉस्मेटोलॉजी से रिलेटेड कोर्सेज भी हैं, जिसे किया जा सकता है।

पैरामेडिकल : चिकित्सा का बैकबोन

भारत में हेल्थकेयर तेजी से उभरता हुआ सेक्टर है। स्टूडेंट्स 10वीं के बाद डायलिसिस टेक्निशियन, लैब टेक्निशियन, एक्स-रे टेक्निशियन, ऑपथैलमिक टेक्नोलॉजी में तीन साल का डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इसके अलावा, नर्सिंग ऐंड ट्रेनिंग, मेडिकल रिकॉर्ड मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट कोर्स भी किया जा सकता है। कोर्स कंप्लीट करने के बाद प्राइवेट या गवर्नमेंट हॉस्पिटल, नर्सिंग होम में जॉब मिल सकती है।

पॉपुलर जॉब्स

आर्मी : थल सेना के जांबाज

10वीं पास स्टूडेंट्स भारतीय थल सेना की नॉन-टेक्निकल शाखाओं, जैसे-इंफेंटरी आ?र्म्ड कोर और आर्टिलरी में आवेदन कर सकते हैं। थल सेना में सैनिक (सामान्य कार्य) के लिए कम से कम मैट्रिक 45 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना जरूरी है। आयु सीमा 16 से 21 के बीच होनी चाहिए। सैनिक ट्रेडमैन सामान्य कार्य और निर्दिष्ट कार्य के लिए मैट्रिक तथा भाषा का ज्ञान होना चाहिए। आयु सीमा 16 से 23 के बीच होनी जरूरी है। इसके अलावा, लंबाई, सीने की चौड़ाई, दौड़, लंबी कूद, वजन आदि को लेकर भी कुछ शर्तें हैं। सैनिकों का चयन खुली भर्ती के माध्यम से किया जाता है। भर्ती स्थल पर उम्मीदवारों की प्राथमिक स्क्रीनिंग, दस्तावेजों की जांच तथा शारीरिक क्षमता की परीक्षा होती है। इसके बाद शारीरिक रूप से सक्षम कैंडिडेट्स को एक लिखित परीक्षा देनी पड़ती है। भर्ती से

संबंधित सूचनाओं के लिए 222.द्धट्टस्र्द्वड्ढद्दड्ढह्मद्ब4.द्बठ्ठष्.द्बठ्ठ साइट पर विजिट कर सकते हैं।

एयरफोर्स : वायुसेना में भी हैं मौके

10वीं पास स्टूडेंट्स एयरफोर्स के नॉन-टेक्निकल पोस्ट्स के लिए आवेदन कर सकते हैं, जैसे- एयरमैन के लिए प्रत्येक वर्ष अप्रैल और अगस्त महीने में इंडियन एयरफोर्स का सेंट्रल एयरमैन सलेक्शन बोर्ड एग्जाम कंडक्ट कराता है। इन पोस्ट्स के लिए 45 प्रतिशत मा?र्क्स के साथ स्टूडेंट्स को 10वीं (साइंस) पास होना जरूरी है। इसके लिए उम्र 16 से 19 साल के बीच होनी चाहिए, जबकि हाइट 152.5 सेंटीमीटर या इससे अधिक हो। सीने की चौड़ाई कम से कम 75 सेंटीमीटर होनी चाहिए। इसके अलावा, स्टूडेंट्स एयर फील्ड सेफ्टी ऑपरेटर, ड्राइवर्स, रेडियो या टेलीफोन ऑपरेटर जैसे पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए देखें। www.indianairforce.nic.in

नेवी : अट्रैक्टिव करियर

इंडियन नेवी नेवल विंग के लिए नेवी सेलर्स मैट्रिक एंट्री रिक्रूटमेंट एग्जाम साल में दो बार कंडक्ट कराती है। जरूरी योग्यता 10वीं में साइंस और मैथ्स में 55 प्रतिशत अंकों के साथ अविवाहित होना है। कैंडिडेट की उम्र 17 से 20 साल के बीच होनी चाहिए। साथ ही हाइट, चेस्ट, वेट और विजन के लिए भी जरूरी अहर्ताएं रहती हैं। एग्जाम में साइंस, मैथ्स, जनरल नॉलेज और इंग्लिश से सवाल पूछे जाते हैं। ज्यादा जानकारी के लिए वेबसाइट www. indiannavy.nic.in देख सकते हैं।

पैरामिलिट्री : सजग प्रहरी

बीएसएफ, सीआरपीएफ, सीआइएसएफ, आइटीबीपी आदि में भी समय-समय पर कॉन्सटेबल पोस्ट के लिए रिक्रूटमेंट होती हैं। फिजिकल परीक्षा के बाद लिखित परीक्षा भी होती है, जिसमें हिंदी या अंग्रेजी, जनरल इंटेलिजेंस, न्यूमेरिकल एप्टिट्यूड और क्लेरिकल एप्टिट्यूड से संबंधित सवाल भी पूछे जाते हैं। इसके लिए पुरुष और महिला दोनों की उम्र 18 से 23 साल के बीच होनी चाहिए। पुरुष की हाइट 170 सेंटीमीटर और महिला के लिए 157 सेंटीमीटर होनी चाहिए। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.armedforces.co.in देखें।

रेलवे : सुविधाओं के बीच करियर

10वीं पास स्टूडेंट्स के लिए रेलवे में काफी ऑप्शंस हैं। कॉमर्शियल क्लर्क और ट्रेन्स क्लर्क जैसे पोस्ट्स के लिए अलग-अलग रेलवे भर्ती बोर्ड यानी आरआरबी लिखित परीक्षा के साथ-साथ दो फेज में मेडिकल टेस्ट लेता है। अकाउंट क्लर्क कम टाइपिस्ट और जूनियर क्लर्क कम टाइपिस्ट के लिए लिखित परीक्षा और टाइपिंग टेस्ट्स लिया जाता है। आरपीएफ कॉन्सटेबल के लिए फिजिकल एग्जाम और लिखित परीक्षा होती है। अगर आप टिकट चेकर (टीसी) बनना चाहते हैं, तो 50 प्रतिशत मा?र्क्स के साथ 10वीं पास होना जरूरी है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू के आधार पर इस पोस्ट पर सलेक्शन होता है। इसके अतिरिक्ती रेलवे में ग्रुप डी के पदों, जैसे-गैंग मैन या ट्रैक मैन, हेल्पर या खलासी, प्लेटफॉर्म पोर्टर जैसे अन्य पदों के लिए भी 10वीं पास स्टूडेंट्स आवदेन कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट www.railwayrecruitment.co.in देख सकते हैं।

स्किल बेस्ड कोर्स पर करें फोकस

10वीं पास स्टूडेंट्स को स्किल बेस्ड कोर्स पर फोकस करना चाहिए। पॉलिटेक्निक और आइटीआइ के अतिरिक्त नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन भी स्किल बेस्ड कोर्सेज कराता है। अन्य गवर्नमेंट ऑर्गनाइजेशन,जैसे- एनएसडीसी, एनवीटीआइ और ऑफिस ऑफ कमिश्नर ऑफ इंडस्ट्रीज भी हैं, जो इलेक्ट्रिशियन, टीवी रिपेयरिंग, कार्पेट वीविंग, इंश्योरेंस और मेडिकल फील्ड में जॉब ओरिएंटेड कोर्सेज कराते हैं। कम्युनिकेशन और इंटरनेट ब्राउजिंग स्किल्स डेवलप करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। साथ ही, फ्यूचर में भी आप अपने स्किल्स को मेंटेन रखें, भले ही आपने जॉब पा ली हो।

कर्मठ और कामचोर कर्मचारियों को पहचानें

एक कंपनी अपने कर्मचारियों को लेकर बिलकुल भी गंभीर नहीं है. सालों से उसके यहां चापलूसों को ही प्रोमोशन मिलता रहा है. काम करने वाले वहां अक्सर पीछे रह जाते हैं और कामचोर हमेशा आगे निकल जाते हैं. हालांकि, कई कंपनियों में ऐसा होता है. जब भी पूरी टीम को कोई काम मिलता है, चंद कर्मचारी ही काम करते हैं.

बाकी केवल आराम करते हैं. जब रिजल्ट आता है, तो क्रेडिट सभी को बराबर मिलता है. इस तरह काम करने वाले कर्मचारियों का

मनोबल गिरता चला जाता है. उन्हें लगता है कि इस कंपनी को प्रतिभा की कद्र नहीं है. बेहतर है कि हम ऐसी कंपनी में जाएं, जहां हमारी कद्र हो. धीरे-धीरे वे कंपनी छोड़ कर जाने लगते हैं. अंत में बच जाते हैं सिर्फ कामचोर कर्मचारी.

कुछ ऐसा ही उस कंपनी के साथ भी हुआ, जिसकी मैं बात कर रही हूं. एक समय ऊंचाइयां छूने वाली वह कंपनी बंद होने की कगार पर है. वजह साफ है, अपने कर्मचारियों को सही तरीके से मैनेज नहीं कर पाना.

ऐसा आपके यहां भी हो सकता है. अगर आप बॉस हैं, बिजनेसमैन हैं, किसी कंपनी के मालिक हैं या किसी सेक्शन के हेड हैं, तो आपका कुछ बातों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है. हर कंपनी चाहती है कि उसके यहां बेस्ट कर्मचारी काम करें, लेकिन यह तभी मुमकिन हो सकता है, जब आपको अपने यहां मौजूद टैलेंट का बेस्ट मैनेजमेंट भी आता हो. जो लोग आपकी कंपनी में काम से जी चुराते हैं या दूसरों का काम बिगाड़ते हैं, उनसे निबटने के लिए भी आपके पास एक सटीक नीति होनी चाहिए. बहुत-से लोग टीमवर्क की आड़ में काम से जी चुराते हैं और वे पकड़ में भी नहीं आते. इस स्थिति से बचने के लिए ऑफिस में सभी के काम की अलग-अलग मॉनिटरिंग की व्यवस्था होनी चाहिए.

बेस्ट टैलेंटेड लोगों को पहचानें और उनको उनका स्थान दें. उन्हें प्रमोट करें. कामचोर कर्मचारी को दंडित भी करें. हर सफल काम के पीछे छिपे सही व्यक्ति को पहचानें. पता लगायें कि यह काम किसने किया है. साथ ही यह भी कि कोई क्रेडिट बेवजह तो नहीं ले रहा?

बॉस की अच्छाई का फायदा न उठायें

ली डर और कर्मचारी के रिश्ते को लेकर कई लेख लिखे गये हैं. अक्सर उनमें कहा जाता है कि लीडर को कर्मचारियों से दोस्ताना व्यवहार रखना चाहिए. उनकी बातों को सुनना चाहिए. कर्मचारियों की मजबूरी को समझना चाहिए. कई लीडर इसी तरह का व्यवहार करते हैं. उन्हें लगता है कि ऐसा करने से सब मन लगा कर काम करेंगे, मेहनत करेंगे. टीम वर्क में काम होगा, लेकिन कई बार ऐसा होता नहीं है. इस अच्छे व्यवहार का उल्टा असर हो जाता है. इसकी वजह है कर्मचारी. वे लीडर की अच्छाई का फायदा उठाते हैं.

उनके दोस्ताना व्यवहार का इस्तेमाल अपने लिए करते हैं. वे बार-बार छुट्टी मांगते हैं. कम और बहुत ही चलताऊ तरीके से काम करते हैं. आराम से ऑफिस आते हैं और गलती पर पछताना तो दूर, सॉरी बोलने की जहमत भी नहीं उठाते. ऐसी स्थिति में ऑफिस का माहौल पहले से भी ज्यादा खराब हो जाता है. कंपनी का स्तर ऊपर जाने की बजाय नीचे जाने लगता है. सवाल उठता है कि ऐसी स्थिति में लीडर क्या करे. क्या वह दोबारा खड़स लीडर बन जाये. एटिट्यूड में रहे और कर्मचारियों को दबा कर रखे या इसी तरह कर्मचारियों की ही मनमरजी लने दे.

इस बात पर मुझे वही साधु वाली कहानी याद आती है. एक साधु रोजाना जब नदी में स्नान करके निकलते, तो उन्हें एक बिच्छू नजर आता. वह उसे बचाने के लिए उठा कर नदी में फेंकते, तो वह उन्हें डंक मार देता. लेकिन साधु रोज यही कार्य करते. एक आदमी उनकी इस आदत को रोजाना देखता था. उसने एक दिन साधु से पूछ ही लिया कि जब वह बिच्छू रोज आपको डंक मारता है, तो आप उसकी मदद क्यों करते हैं. इस पर साधु ने जवाब दिया, 'जब वह अपनी डंक मारने की इतनी बुरी आदत नहीं बदल रहा, तो भला मैं अपनी मदद करने की अच्छी आदत क्यों बदलूं? ये उसका जीने का तरीका है और ये मेरा जीने का तरीका है.'

म्यूजिक की मस्ती

म्यूजिक फील्ड में इंट्रेस्ट रखने वाले स्टूडेंट्स के लिए करियर की नई राहें खुलने लगी हैं। एक समय ऐसा भी था जब म्यूजिक को केवल एंटरटेनमेंट का साधन माना जाता था, लेकिन हाल के वर्षो में इस फील्ड का परिदृश्य पूरी तरह से बदल चुका है। म्यूजिक में महारत हासिल करने वाले स्टूडेंट्स स्कूल, कॉलेज या फिर किसी ग्रुप के साथ जुड़ कर म्यूजिशियन के रूप में करियर की शुरुआत कर सकते हैं। विभिन्न टीवी चैनलों पर चल रहे रियलिटी शो में भी लाइव परफॉर्मेंस देकर अपना करियर संवार सकते हैं। इसके अलावा, म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट्स बनाने वाली कंपनियों में इंस्ट्रूमेंटलिस्ट बनकर भी जॉब हासिल कर सकते हैं। अगर आप थोड़ी मेहनत करके साउंड रिकॉर्डिंग का भी अनुभव हासिल कर लें, तो रिकॉर्डिंग स्टूडियो में साउंड रिकॉर्डिस्ट के रूप में भी करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

म्यूजिक वर्ल्ड में एंट्री – भारत में म्यूजिक के पॉपुलर होने के साथ यह एक बेहतरीन करियर ऑप्शन के रूप में उभरा है। कई कॉलेज और यूनिवर्सिटीज म्यूजिक से रिलेटेड कोर्स ऑफर कर रहे हैं। आप इससे रिलेटेड कोर्स में 12वींके बाद एडमिशन ले सकते हैं। इस फील्ड में आप चाहें, तो सर्टिफिकेट कोर्स, बैचलर कोर्स, डिप्लोमा कोर्स और पोस्ट ग्रेजुएट लेवल के कोर्स भी कर सकते हैं। अमूमन सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि एक वर्ष, बैचलर डिग्री कोर्स की तीन वर्ष और पोस्ट ग्रेजुएट लेवल कोर्स की अवधि दो वर्ष की होती है।

इस फील्ड में कुछ पॉपुलर कोर्स इस तरह हैं ः बी.आर्ट्स इन म्यूजिक, बी.आर्ट्स (विजुअल आर्ट्स/म्यूजिक/डांस ऐंड ड्रामा), बी. आ?र्ट्स इन तबला, बी.फाइन आर्ट्स इन सितार, बी.फाइन आर्ट्स इन तबला, सर्टिफिकेट इन म्यूजिक, सर्टिफिकेट इन म्यूजिक ऐंड डांस, सर्टिफिकेट कोर्स इन म्यूजिक एप्रिसिएशन ऐंड म्यूजिक, डिप्लोमा इन म्यूजिक, डिप्लोमा इन सितार, एमए इन म्यूजिक, एमफिल इन म्यूजिक, पीएचडी इन म्यूजिक आदि।

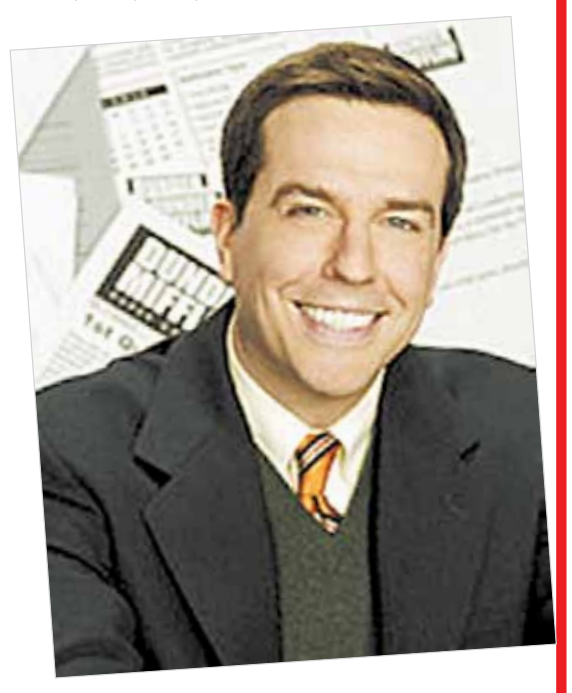

बेसिक स्किल्स – म्यूजिक फील्ड में करियर बनाने के लिए सबसे जरूरी इस फील्ड के प्रति आपका लगाव। टैलेंट, सच्ची लगन और हार्ड वर्क की बदौलत इस क्षेत्र में कामयाबी हासिल की जा सकती है। इस फील्ड से रिलेटेड नॉलेज काफी जरूरी है। इस फील्ड में कई सारे नए जॉब ऑप्शन भी उभरने लगे हैं, जैसे-रिकॉर्डिंग और साउंड इंजीनियरिंग। इसके लिए साउंड तकनीक की जानकारी बहुत जरूरी है। साथ ही,थ्योरेटिकल नॉलेज के साथ-साथ प्रैक्टिकल नॉलेज भी बढ़ाना होगा। यदि आपमें नेचुरल टैलेंट है, तो यह आपके लिए एक गिफ्ट के समान है, लेकिन आप नियमित रियाज के साथ-साथ ट्रेनिंग या फिर किसी अच्छे इंस्टीटयूट में दाखिला लेकर भी इस फील्ड में करियर की बेहतर शुरुआत कर सकते हैं।

वर्क ऑप्शंस – म्यूजिक फील्ड का अर्थ केवल यह नहींहै कि आप केवल सिंगिंग में ही करियर बना सकते हैं, बल्कि इस फील्ड में ऑप्शंस की कमी नहीं हैं। आप टीचिंग, म्यूजिशियन, रिकॉर्डिंग, कंसर्ट, परफॉर्मर, लाइव शो, डिस्क जॉकी, वीडियो जॉकी और रेडियो जॉकी के रूप में भी करियर की शुरुआत कर सकते हैं। क्लासिकल, फोक, गजल, पॉप, फ्यूजन आदि के क्षेत्र में भी भरपूर अवसर हैं। इसके अलावा, कुछ ऐसे क्षेत्र भी हैं, जहां म्यूजिक से जुड़ी प्रतिभा को नई बुलंदियों तक पहुंचा सकते हैं।

कॉपीराइटर, रिकॉर्डिंग टेक्नीशियन, इंस्ट्रूमेंट मैन्युफैक्चरिंग, म्यूजिक थेरेपी, प्रोडक्शन, प्रमोशन आदि क्षेत्र में बेहतरीन अवसर हैं। इसके अलावा, आप म्यूजिक लाइब्रेरियन, म्यूजिकोलॉजिस्ट, आ?र्ट्स एडमिनिस्ट्रेटर आदि के तौर पर भी करियर बना सकते हैं। जहां तक जॉब की बात है, तो आप एफएम चैनल्स, म्यूजिक कंपनी, प्रोडक्शन हाउस, म्यूजिक रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, गवर्नमेंट कल्चरल डिपार्टमेंट, म्यूजिक चैनल आदि में कोशिश कर सकते हैं।

अवसर मिला तो आरसीबी की ओर से खेलूंगा : रिंकू

नई दिल्ली। बल्लेबाज रिंकू सिंह ने कहा है कि अवसर मिलने पर वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से भी खेलना चाहेंगे। रिंकू अभी कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से आईपीएल में खेलते हैं। रिंकू के इस बयान से सभी हैरान हैं। रिंकू को आईपीएल में केकेआर की ओर से किये धमाके दार प्रदर्शन के कारण ही टीम इंडिया में भी जगह मिली है।

रिंकू के अनुसार आईपीएल के अगले सत्र में यदि केकेआर की टीम ने उन्हें नहीं रखा तो वह आरसीबी जाकर विराट कोहली के साथ खेलना चाहेंगे। साल 2018 में रिंकू सिंह ने केकेआर की तरफ से आईपीएल में खेला था। आईपीएल ओर घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद साल उन्हें भारतीय टी20 टीम में जगह मिली थी। वहीं दिसंबर 2023 में उनको दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय में डेब्यू का अवसर मिला।

रिंकू का करियर संघर्ष भरा रहा। घरेलू क्रिकेट

में अच्छे प्रदर्शन से उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में जगह दिलाई, जहां उन्हें 2017 में किंग्स इलेवन पंजाब और बाद में 2018 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने खरीदा। आईपीएल में रिंकू को शुरुआत में अपनी जगह बनाने में संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अपना ज्यादातर समय बाहर बैठकर बिताया। हालांकि 2022 के सीजन में उनकी किस्मत बदल गई, जहां उन्होंने सात मैचों में 34.80 की औसत और 148.72 की स्ट्राइक रेट से 174 रन बनाए। इस प्रदर्शन ने केकेआर के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का ध्यान खींचा जिन्होंने रिंकू की प्रशंसा की और युवा खिलाड़ी की सफलता पर अपनी खुशी व्यक्त की।

2023 का सीजन रिंकू के लिए सबसे अच्छा साबित हुआ। उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और 14 मैचों में 59.25 की औसत और 149.52 की स्ट्राइक रेट से 474 रन बनाकर केकेआर के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। उनके शानदार फॉर्म ने उन्हें पहचान दिलाई और आखिरकार उन्हें भारतीय राष्ट्रीय टीम में शामिल कर लिया गया।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम घोषित , ऋषभ की वापसी

यश दयाल को मिला अवसर

मुम्बई। बांग्लादेश के खिलाफ इसी माह 19 सितंबर से होने वाली दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज के पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी गयी है। इस सीरीज का पहला टेस्ट चेन्नई और दूसरा कानपुर में खेला जाएगा। टीम में आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी हुई है। ऋषभ 2022 में कार हादसे से उबरने के बाद पहली बार टेस्ट खेलते नजर आयेंगे। उन्हें दिलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस सीरीज के लिए जो टीम घोषित की है उसमें श्रेयस अय्यर शामिल नहीं हैं। अय्यर ने दिलीप ट्रॉफी में अच्छी बल्लेबाजी कर अपना दावा पेश किया था पर वह बोर्ड का भरोसा हासिल नहीं कर पाये। टीम में जिस फैसले से सभी हैरान है वह है यश दयाल को शामिल किया जाना। यश वहीं गेंदबाज हैं जिनपर पिछले आईपीएल में रिंकू सिंह ने लगातार पांच छक्के लगाये थे। वहीं युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को भी टीम में

रखा गया है। बीसीसीआई ने कहा कि पुरुष चयन समिति ने बांग्लादेश के खिलाफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के लिए भारत की 16 सदस्यीय टीम का चयन कर लिया है। इस टेस्ट सीरीज से साल 2024-25 के लिए भारत के अंतरराष्ट्रीय घरेलू सत्र की शुरुआत होगी। इस सीरीज के बाद बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 मैच भी खेले जाएंगे। जिसके लिए सीरीज का चयन अभी होना है।

टीम इस प्रकार है :

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मो. सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमरा, यश दयाल।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम को घेरने रणनीति बना रहे कमिंस

मेलबर्न। इस साल के अंत में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी के तहत ही वह भारतीय टीम के खिलाफ अपनी रणनीति बनाने में लग गये हैं। कमिंस का इरादा ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन और मिशेल मार्श के जरिये भारतीय टीम को घेरने का रहेगा। ये दोनो ही अब तक बल्लेबाजी पर अधिक जोर देते रहे हैं पर अब कमिंस चाहते हैं कि यह दोनों ऑलराउंडर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में टीम के तेज गेंदबाजों का अधिक सहयोग करें। ग्रीन ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेला है जबकि पिछले सत्र में उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेले थे। ऐसे में ये जानते हैं कि रोहित शर्मा और विराट कोहली कब कैसे फैसले लेते हैं।

कमिंस ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, टीम में ऑलराउंडर होने से लाभ मिलता है। पिछले कुछ वर्षों में हम उनका उतना उपयोग नहीं कर पाए जितना हमने सोचा था। यह अच्छी बात है। उन्होंने कहा पर इन गर्मियों के सत्र में कुछ अलग करते हुए हम ग्रीन और मार्श को गेंदबाजी में थोड़ा अधिक जिम्मेदारी

दे सकते हैं। साथ ही कहा कि ग्रीन जैसे खिलाड़ी ने शील्ड क्रिकेट में गेंदबाज के रूप में शुरुआत की थी पर टेस्ट मैचों में उसे ज्यादा गेंदबाजी नहीं करनी पड़ी। अब वह पहले से अधिक परिपक्व हो गया है। मुझे लगता है कि हम उस पर थोड़ा और अधिक आधारित रहेंगे। ग्रीन ने अब तक 28 टेस्ट मैचों में 35.31 के औसत से 35 विकेट लिए हैं। कमिंस ने कहा टीम के लिए खुशी की बात है कि उसके पास नाथन लियोन जैसा स्पिनर है। जिससे कई ओवर कराये जा सकते हैं।

आजम की जगह रिजवान बन सकते हैं कप्तान

लाहौर। पिछले काफी समय से खराब फार्म से गुजर रहे पाकिस्तान के सीमित ओवरों के कप्तान बाबर आजम की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। आजम को कुछ महीने पहले ही दोबारा एकदिवसीय और टी20 टीम का कप्तान बना दिया गया था, पर अब कहा जा रहा है कि उन्हें हटाकर विकेटीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को कप्तानी दी जाएगी। आजम की कप्तानी में टीम ने एकदिवसीय विश्वकप में खराब प्रदर्शन किया था जिसके बाद उन्हें कप्तानी से हटा दिया गया था। वहीं टी20 विश्व कप से पहले एक बार फिर उन्हें एकदिवसीय और टी20 की कप्तानी दे दी गयी थी पर टीम टी20 विश्वकप में भी असफल रही। आजम को टी20 विश्व कप से पहले एकदिवसीय और टी20 टीम का कप्तान बना दिया गया पर इससे टीम को कोई लाभ नहीं

हुआ। टी20 विश्व कप में भी पाक टीम का खराब खेल जारी रहा और वह पहले दौर में ही बाहर हो गई थी। इस दौरान आजम बल्लेबाजी में भी विफल रहे। इसके बाद कहा गया कि उनको कप्तानी से हटाकर बल्लेबाजी पर ध्यान देने के लिए कहा जाये। ऐसे में पीसीबी खेल के तीनों प्रारूपों में रिजवान को कप्तान बनाने पर विचार कर रहा है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने पाक लीग में मुल्तान सुल्तान्स के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उनके नेतृत्व में फ्रैंचाइजी ने लगातार दो फाइनल खेले हैं।

इस बार आईपीएल मेगा नीलामी में उतरेंगे स्मिथ

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अवसर मिलने की उम्मीद है। उनका मानना है कि मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में अपने अच्छे प्रदर्शन का लाभ उन्हें मिलेगा। इससे वह टी20 के भी अच्छे खिलाड़ी साबित हुए हैं। इसलिए उन्हें आईपीएल के अगले सत्र में अवसर मिल सकता है , इसलिए वह इस बार मेगा नीलामी में उतरेंगे। स्मिथ को टी20 विश्व कप के बाद स्कॉटलैंड एवं इंग्लैंड के आगामी दौरे के लिए शामिल नहीं किया गया था।

एमएलसी में स्मिथ के शानदार प्रदर्शन से वाशिंगटन फ्रीडम को पहली बार लीग खिताब मिला। स्मिथ ने इस लीग में 49.00 की औसत और 154.74 के स्ट्राइक रेट से 294 रन बनाये। वह अपनी टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी

रहे। स्मिथ ने फाइनल में भी सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न के खिलाफ 52 गेंदों में तेजी से 88 रन बनाये थे।

सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न में पैट कमिंस और हारिस रउफ जैसे तेज गेंदबाज शामिल थे। स्मिथ ने कहा, 'मैं निश्चित रूप से आईपीएल में एक और अवसर चाहूंगा। मैं अपना नाम खिलाड़ियों की नीलामी में शामिल करूंगा। देखते है कि मुझे आगे बढ़ने का कितना अवसर मिलता है। उन्होंने कहा, 'मुझे हाल में टी20 क्रिकेट और फ्रेंचाइजी में जो भी अवसर मिले हैं, मैंने काफी अच्छा खेला है। ऐसे में मैं आईपीएल में अपना नाम शामिल कर इसका आनंद उठाना चाहूंगा।

स्मिथ को पिछली दो नीलामी में किसी ने भी नहीं खरीदा था। ऐसे में वह 2021 से आईपीएल का मे नहीं खेल पाये हैं। इस बल्लेबाज का कहना है कि वह इससे निराश नहीं हुए और उनका ध्यान अपने खेल पर रहा है। टी20 टीम में जगह नहीं मिलने पर उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टी20 की बात करूं तो मुझे नहीं पता वहां चयनकर्ता के बीच क्या चल रहा है। उनके पास कुछ अच्छे विकल्प है और वे उसे आजमाना चाहते है। मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है। स्मिथ ने कहा, 'मैं समझता हूं कि वे विश्व कप को ध्यान में रख कर ऐसे खिलाड़ियों को वरीयता ह दे रहे हैं जो सहजता से बड़े शॉट लगा सकें। इसलिए मैं इन बातों से परेशान नहीं हूं।

व्यापार

अमेज़न पर इलेक्ट्रॉनिक फेस्टीव सेल की शुरुआत

नई दिल्ली। कामर्शियल साइट अमेजन पर इलेक्ट्रॉनिक फेस्टीव सेल प्रारंभ हो चुकी है। सेल मात्र पांच दिनों के लिए रखी गई है, और इसका आखिरी 10 सितंबर को है। सेल में एक से बढ़ कर एक ऑफर और डिस्काउंट दिया जा रहा है। लेकिन सबसे बेस्ट डील के तहत ग्राहक वनप्लस 11आर 5जी को काफी अच्छे ऑफर के साथ खरीद सकते हैं। अमेजन पर मोबाइल सेक्शन पर ऑफर लाइव की किया गया है, और यहां से मिली जानकारी के मुताबिक वनप्लस 11आर 5जी को 39,999 रुपये के बजाए 28,999 रुपये में खरीदा जा सकता है। इस फोन की सबसे खास बात इसका 50 मेगापिक्सल मेन कैमरा है। आइए जानते हैं इस फोन के सभी फीचर्स के बारे में। फुल स्पेसिफिकेशंस की बात करें तो इस फोन में 120 एचेझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.74-इंच कर्व्ड अमोलेड डिस्प्ले दिया गया है। इसके फ्रंट में पंच होल नॉच मिलता है। साथ ही इसमें इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सपोर्ट भी मौजूद है। ये स्मार्टफोन एंड्राएड 13 बेस्ड आक्सीजन ओएस 13 पर चलता है। वनप्लस 11आर में अड्रेनो 730 जीपीयू और 16जीबी तक एलपीडीडीआर 5एक्स रैम के साथ 4एनएम प्रोसेस बेस्ड ऑक्टा-कोर क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 8+ जेन 1

प्रोसेसर मौजूद है।कैमरे के तौर पर इस फोन के रियर में 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा, 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड एंगल कैमरा और 2 मेगापिक्सल मैक्रो कैमरा दिया गया है। सेल्फी के लिए फोन के फ्रंट में 16 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा मौजूद है। कनेक्टिविटी फीचर्स के तौर पर फोन में जीपीएस, वाई-फाई 6 और ब्लूटूथ 5.3 मिलता है। वहीं वनप्लस 11आर 5जी स्मार्टफोन 8.7एमएम मोटा है और इसका वजन 204 ग्राम है।पावर के लिए वनप्लस 11आर में 5000 एमएएच की बैटरी दी गई है और इसमें 100वॉट सुपरवॉक फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट दिया गया है। इसमें डोल्बी अटमॉस सपोर्ट के साथ स्टीरियो स्पीकर्स भी दिए गए हैं। ग्राहक इसे ब्लैक और सिल्वर वाले दो कलर ऑप्शन में खरीद पाएंगे।

जावा 42 एफजे बाइक इंडियन मार्केट में लॉन्च

- शुरुआती कीमत 1.99 लाख रुपये तय

नई दिल्ली। इंडियन मार्केट में क्लासिक लीजेंड्स कंपनी ने जावा 42 एफजे बाइक को लॉन्च कर दिया है। इस बाइक की शुरुआती कीमत 1.99 लाख रुपये तय की गई है। बाइक के टॉप मॉडल की कीमत 2.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) है। रेगुलर जावा 42 के मुकाबले ये बाइक तकरीबन 26,000 रुपये महंगी है। कंपनी ने इसकी प्री-बुकिंग शुरू कर दी है इसे कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट से महज 942 रुपये में बुक किया जा सकता है। जावा 42 एफजे बिलकुल ही फ्रेश डिजाइन और लुक में पेश की गई है लेकिन कंपनी ने इसके रेट्रो डीएनए को बरकरार रखा है। डिजाइन की बात करें तो कंपनी ने इसे मॉर्डन-रेट्रो लुक दिया है। इसके साइड में एल्युमीनियम प्लेट के साथ टियर ड्रॉप के आकार का फ्यूल टैंक दिया गया है। साइड

पैनल जावा 42 के ही समान है, जो ब्रांड के इतिहास को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। फेंडर भी काफी साफ-सुथरे ढंग से स्टाइल किए गए हैं, जिसमें जावा टेल लाइट रियर फेंडर से बाहर निकलती है। वहीं इंजन, अलॉय व्हील्स और साइलेंसर में दिया गया मैट ब्लैक फिनिश इसे काफी मैच्योर फील देते हैं। अपने नए पेंट स्कीम के वजह से यह बाइक पहले से काफी प्रीमियम लग रही है। इस मोटरसाइकिल में कंपनी ने बड़ा 334 सीसी की क्षमता का लिक्विड-कूल्ड सिंगल सिलिंडर इंजन इस्तेमाल किया है, जो 29.1 बीएचपी की पावर और 29.6 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। यह इंजन 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ स्लिप-एंड-असिस्ट क्लच टेक्नोलॉजी से लैस किया गया है। रेगुलर जावा 42 के मुकाबले ये इंजन 2 बीएचपी ज्यादा पावर जेनरेट करता है। कुल मिलाकर ये बाइक लुक, डिज़ाइन और कंपनी के दावों के मुताबिक परफॉर्मेंस के आधार पर अच्छा विकल्प बन सकती है। फीचर्स की बात करें तो बाइक में एलईडी लाइट्स, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट और सिंगल-पॉड, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है। जावा 42 एफजे का वजन कुल 184 किलोग्राम है, वहीं इसकी सीट हाइट 790 एमएम है। यानी इस बाइक को औसत कद वाले लोग भी आसानी से चला सकते हैं। इसमें 178 मिमी का ग्राउंड क्लीयरेंस मिलता है। रेगुलर जावा 42 के मुकाबले ये बाइक तकरीबन 2 किलोग्राम भारी है। इस बाइक में डुअल-चैनल एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम को स्टैंडर्ड तौर पर शामिल किया गया है। बाइक में स्टील चेसिस का इस्तेमाल किया गया है जिसे 41 मिमी टेलिस्कोपिक फोर्क और ट्विन शॉक एब्जॉर्बर जैसे सस्पेंशन से लैस किया गया है। ब्रेकिंग के लिए आगे की तरफ 320 मिमी डिस्क ब्रेक और पीछे की तरफ डिस्क ब्रेक का इस्तेमाल किया गया है।

गिरावट के साथ खुले शेयर बाजार

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। नौकरियों के आंकड़े उम्मीद से कम रहने के बाद अमेरिका की अर्थव्यवस्था को लेकर एक बार फिर चिंता खड़ी हो गई है। जिससे एशियाई बाजारों में गिरावट देखने को मिल रही है। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सुबह 9:55 बजे 26.25 अंक गिरकर 81,157.68 अंक पर कारोबार कर था, जबकि निफ्टी-50 में भी गिरावट देखी गई और यह 18.60 अंक की गिरावट के साथ 24,833.55 अंक पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के 13 प्रमुख क्षेत्रों में से 11 घाटे में चल रहे थे। घरेलू स्तर पर अधिक ध्यान केंद्रित करने वाले छोटे और मध्यम शेयरों में लगभग 0.4 फीसदी की गिरावट आई। अमेरिका में आर्थिक मंदी

की चिंताओं के बाद वॉल स्ट्रीट में गिरावट का सोमवार को एशिया के शेयर बाजारों पर असर पड़ा और इनमें गिरावट आई। वहीं बांड यील्ड और कमोडिटी की कीमतों में गिरावट आई है। ऐसा इसलिए क्योंकि निवेशकों ने सुरक्षित स्थानों के लिए जोखिम वाली संपत्तियों में निवेश करने से परहेज किया है। इससे पहले शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट इंडेक्स बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 410.34 अंक गिरकर 40,345.41 पर, एसएंडपी 500 94.99 अंक गिरकर 5,408.42 पर और नैस्डैक कंपोजिट 436.83 अंक गिरकर 16,690.83 पर आ गया। वहीं बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 1017.23 अंक की गिरावट के साथ 81,183.93 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 50 भी 292.95 अंक की गिरावट के साथ 24,852.15 के लेवल पर बंद हुआ।

रुपया सीमित दायरे में, 83.96 डॉलर पर खुला

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में नरम रुख के बीच सोमवार को रुपया सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ। एक पैसे मजबूत होकर 83.94 प्रति

डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में नरमी तथा डॉलर सूचकांक में समग्र कमजोरी से रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया एक पैसे मजबूत होकर 83.96 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.85 पर पहुंच गया गया। बाद में फिर यह 83.95 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के बराबर है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.95 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.28 अंक पर रहा।

बारिश में आपूर्ति प्रभावित होने से सब्जियां हुई महंगी

नई दिल्ली। अगस्त और सितंबर में ज्यादा बारिश होने से प्रमुख शहरों में सब्जियों की आपूर्ति प्रभावित हुई और इसके दाम भी बढ़ चुके हैं। हरी सब्जियों में सबसे ज्यादा दाम धनिया के बढ़े हैं। दिल्ली में बीते एक महीने के दौरान धनिया के दाम 350 प्रतिशत बढ़ गए हैं। मुंबई में पालक के दाम 100 प्रतिशत बढ़े हैं। सब्जियों की आपूर्ति बाधित होने का बाजारों पर अलग- अलग प्रभाव पड़ता है। इसका कारण यह है कि कई सब्जियों का उत्पादन स्थानीय स्तर पर होता है और वे जल्दी खराब हो जाती हैं। मूसलाधार बारिश का असर मंडियों के कारोबार पर भी पड़ता है। मंडी में फसलों की ज्यादातर खरीद और बिक्री खुले आसमान के नीचे होती है और मंडियों में कुछ ही स्थानों पर सब्जियों की खरीद फरोख्त ढके हुए स्थान के नीचे होती है। अगले कुछ महीनों के दौरान

बारिश प्रमुख फसल उत्पादक क्षेत्रों में जारी रहती है तो दाम बढ़ने से स्थिति और खराब भी हो सकती है। केंद्र सरकार ने देश भर में नेफेड और एनसीसीएफ के जरिये सस्ते में प्याज की बिक्री शुरू कर दी है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपाई) की आधार मुद्रास्फीति जुलाई 2024 में सुस्त होकर 5.06 प्रतिशत हो गई थी जबकि यह जून में 8.36 प्रतिशत थी। बहरहाल, अगस्त और सितंबर में सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं। हालांकि यह देखना बाकी है कि बढ़े हुए दाम कब तक आम आदमी की जेब पर अत्यधिक भारी नहीं पड़ते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर स्त्री 2 की कम नहीं हो रही कमाई की रफ्तार

23वें दिन भी हुआ दमदार कलेक्शन

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की 'स्त्री 2 साल की सबसे बड़ी फिल्म बन चुकी है. अमर कौशिक की डायरेक्शनल इस हॉरर कॉमेडी ने पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर आग लगा दी थी और फाइनली बॉक्स ऑफिस पर सूखे का दौर खत्म कर दिया. ये फिल्म अब तक छप्परफाड़ कमाई कर चुकी है लेकिन इसकी रफ्तार कम होने का नाम नहीं ले रही है. चलिए यहां जानते हैं 'स्त्री 2 ने रिलीज के चौथे शुक्रवार यानी 23वें दिन कितने करोड़ का कलेक्शन किया है. साल 2018 में आई 'स्त्री की सीक्वल 'स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस से हिलने का नाम नहीं ले रही है. फिल्म ने पहले दिन से जो धुआंधार कमाई की वो चौथे हफ्ते में एंट्री करने के बाद भी जारी है. दरअसल फिल्म को दर्शकों ने जबरदस्त रिस्पॉन्स दिया है जिसके चलते 'स्त्री 2 को देखने के लिए सिनेमाघरों में अब भी खूब भीड़ उमड़ रही है. ये फिल्म हर दिन करोड़ों में कमाई कर रही है और देखते ही देखते ये 500 करोड़ का आंकड़ा भी पार कर चुकी है और अब ये 550 करोड़ के क्लब में एंट्री करने की तैयारी कर रही है. इन सबके बीच फिल्म की कमाई की बात करें तो सैकनिल्क के मुताबिक 'स्त्री 2 ने रिलीज के पहले हफ्ते में 291.65 करोड़ की कमाई की थी. दूसरे हफ्ते में फिल्म का कलेक्शन 141.4 करोड़ रहा. वहीं 'स्त्री 2 की तीसरे हफ्ते की कमाई 70.2 करोड़ रुपये रही. अब ये हॉरर कॉमेडी फिल्म चौथे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है और इसके चौथे फ्राइडे यानी 23वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'स्त्री 2 ने रिलीज के चौथे शुक्रवार को 4.25 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ 'स्त्री 2 के 23 दिनों का कुल कलेक्शन अब 507.50 करोड़ रुपये हो गया है. 'स्त्री 2 का बॉक्स ऑफिस पर भौकाल मचा हुआ है. फिल्म हर दिन दमदार कलेक्शन कर रही है. इसी के चलते अब ये 550 करोड़ का आंकड़ा छूने के भी नजदीक बढ़ती जा रही है. वहीं फिल्म का टारगेट पठान के लाइफटाइम कलेक्शन (543.05 करोड़) को रौंदने का है. बहरहाल 'स्त्री 2 जिस रफ्तार से कमाई कर रही है उसे देखते हुए लग रहा है कि फिल्म चौथे वीकेंड पर ये कमाल भी कर सकती है. फिलहाल देखने वाली बात होगी कि चौथे शनिवार और चौथे रविवार को 'स्त्री 2 क्या कहर ढाती है. बता दें कि 'स्त्री 2 में राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी और पंकज त्रिपाठी ने अहम किरदार निभाया है. ये फिल्म स्त्री, रूही, भेड़िया और मुंज्या के बाद मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स की पांचवीं किस्त है.

वामिका गब्बी ने बेबी जॉन की शूटिंग के बीच परिवार के साथ एक छोटा सा ब्रेक लिया

अपने व्यस्त शेड्यूल के बीच, अभिनेत्री वामिका गब्बी ने हाल ही में चंडीगढ़ में अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के लिए दो दिन निकाले। मुंबई में अपने व्यस्त कामों में वापस लौटने से पहले वामिका गब्बी ने यह संक्षिप्त विश्राम लिया। अभिनेत्री, जो राज और डीके की नई सीरीज़ की तैयारी के अलावा अपनी आगामी फिल्म बेबी जॉन की शूटिंग में व्यस्त हैं, ने दिल्ली में पहले से तय कार्यक्रम के बाद आराम करने का अवसर लिया। उनके संक्षिप्त लेकिन बहुमूल्य 48 घंटे के ब्रेक ने उन्हें अपने प्रियजनों के साथ फिर से जुड़ने और अपने व्यस्त पेशेवर जीवन में लौटने से पहले रिचार्ज करने का मौका दिया। एक प्रशिक्षित कथक नर्तक, वामिका ने पंजाबी फिल्म तू मेरा 22 मैं तेरा 22 से

प्रसिद्धि प्राप्त की, जिसमें यो यो हनी सिंह और अमरिंदर गिल थे। उन्होंने सिक्सटीन में मुख्य भूमिका निभाने के अलावा इश्क ब्रांडी और इश्क हाजिर है में भूमिकाओं के साथ पंजाबी फिल्म उद्योग में अपनी जगह पक्की की। निक्का जैलदार 2 और निक्का जैलदार 3 में दिखाई देने से पहले गब्बी ने तेलुगु फिल्म भले मंची रोजू में भी अभिनय किया। कबीर खान द्वारा निर्देशित स्पोर्ट्स बायोपिक 83 में अन्नू के रूप में उनकी भूमिका ने उनकी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। भारत की 1983 क्रिकेट विश्व कप जीत पर आधारित इस फिल्म में रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण जैसे शानदार कलाकार थे। वामिका को आखिरी बार विशाल भारद्वाज की जासूसी थिलर खुफिया में देखा गया था, जो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है, जिसमें तब्बू और अली फजल भी थे। बेबी जॉन एक एक्शन फिल्म है जिसका निर्देशन कलीज़ ने किया है और इसका निर्माण एटली, मुराद खेतानी और ज्योति देशपांडे ने जियो स्टूडियो, सिने1 स्टूडियो और ए फॉर एप्पल प्रोडक्शंस के तहत किया है। फिल्म में वरुण धवन, कीर्ति सुरेश और जैकी श्रॉफ मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सबसे बड़ी वॉर फिल्म बॉर्डर 2 की रिलीज डेट हुई अनाउंस

23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में देगी दस्तक फिल्म

साल 1997 में रिलीज हुई जेपी दत्ता की बॉर्डर ब्लॉकबस्टर फिल्म थी. इस देशभक्ति से भरी मूवी में सनी देओल, जैकी श्रॉफ, सुनील शेट्टी सहित कई कलाकारों ने अपनी दमदार एक्टिंग से दिल छू लिया था. वहीं अब इस फिल्म का मोस्ट अवेटेड सीक्वल आ रहा है. बॉर्डर 2 की अनाउंसमेंट के बाद से फैंस इस फिल्म की रिलीज डेट जानने के लिए बेसब्र हो रहे हैं. फाइनली मेकर्स ने बॉर्डर 2 की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है. चलिए जानते हैं ये फिल्म सिनेमाघरों में कब दस्तक देगी? बॉर्डर 2 की अनाउंसमेंट के बाद से फैंस इसके सिनेमाघरों में रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. वहीं इस फिल्म में अहम रोल निभा रहे सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर कर बॉर्डर 2 की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है. पोस्ट मे लिखा गया है, बॉर्डर 2 सिनेमाघरों में 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी. यानी ये फिल्म गणतंत्र दिवस के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी. वहीं फिल्म की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट

ने फैंस की एक्साइटमेंट अब पीक लेवल पर कर दी है. बता दें कि हाल ही में बॉर्डर 2 का टीजर भी रिलीज हुई था. टीजर की शुरुआत सोनू निगम के गाने ए गुजरने वाली हवा बता, मेरा इतना काम करेगी क्या... इसके बाद वरुण धवन की आवाज आती है. दुश्मन की हर गोली से जय हिंद बोलकर टकराता हूं, जब धरती मां बुलाती है सब छोड़कर आता हूं. हिंदुस्तान का फौजी हूं मैं. इस टीजर के साथ सनी देओल ने अनाउंस किया था कि बॉर्डर 2 मे वरुण धवन की एंट्री हुई है. उन्होंने टीजर के साथ कैप्शन में लिखा, बॉर्डर 2 की बटालियन में फौजी वरुण धवन का वेलकम है. बॉर्डर 2का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है. वहीं इस फिल्म को जेपी दत्ता, भूषण कुमार और निधि दत्ता प्रोड्यूस कर रहे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म में सनी देओल तो लीड रोल प्ले करेंगे ही वहीं आयुष्मान खुराना और दिलजीत दोसांझ जैसे सितारो को भी फिल्म में लिया गया है. कलाकारों की सूची में विनाली भटनागर और नितीश निर्मल का नाम भी शामिल है.

प्रज्ञा जैसवाल का हॉट लुक देखकर छूटे फैंस के पसीने

एक्ट्रेस की अदाएं देख फैंस हुए फिदा

साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की हॉट एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। उनका बोल्ड और स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही सुर्खियां बटौरता रहता है। हालिया शेयर की गई तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक बार फिर एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट स्टनिंग अंदाज से फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में उनका आउटफिट देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर शेयर होते ही लाइमलाइट बटौरने लगता है। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने व्हाइट कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो कातिलाना अंदाज में एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस की निगाहें उन पर से हटने का नाम नहीं लेती है। हालांकि फैंस भी उनके लुक को काफी फॉलो करते हैं। ओपन हेयर को वेवी स्टाइल में लुक देकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनके चेहरे पर प्यारी सी स्माइल ने उनके लुक पर चार चांद लगा दिया है। प्रज्ञा जैसवाल की इन तस्वीरों पर लोगों ने कॉमेंट करते हुए सो प्रीटी, बेहद शानदार, यू लुक सो हॉट लिखा है। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज शेयर करती रहती हैं।

जूनियर एनटीआर ने दिया सरप्राइज, देवरा के नए पोस्टर संग ट्रेलर की रिलीज डेट का किया एलान

अभिनेता जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म देवरा है। गणेश चतुर्थी के अवसर पर एक्टर ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। यह फिल्म इसी महीने सिनेमाघरों में दस्तक देगी। उससे पहले दर्शकों को फिल्म के ट्रेलर का इंतजार है, जिसकी रिलीज डेट का खुलासा हो गया है। कोरतल्ला शिवा के निर्देशन में बनी फिल्म देवरा: पार्ट-1 में जूनियर एनटीआर का दमदार एक्शन देखने को मिलेगा। जूनियर एनटीआर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से नया पोस्टर जारी किया है। इसके साथ लिखा है, आप सभी को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं। साथ ही बताया है कि फिल्म का ट्रेलर 10 सितंबर 2024 को जारी होगा। फिलहाल नए पोस्टर पर यूजर्स की देखने लायक प्रतिक्रिया है। कमेंट देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म के प्रति दर्शक किस कदर क्रेजी हैं। कहा जा रहा है कि देवरा: पार्ट 1 के ट्रेलर में बड़े पैमाने में ड्रामा और एक्शन का एक रोमांचक मिश्रण देखने को मिल सकता है। इस फिल्म में सैफ अली खान खलनायक की भूमिका में नजर आने वाले हैं। वहीं, जान्हवी कपूर भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। इस फिल्म से जान्हवी साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं। इस फिल्म को दो भागों में बनाने की तैयारी है। इस फिल्म के दूसरे भाग की शूटिंग 2025 में शुरू

होने की उम्मीद है। कहा जा रहा है कि वॉर 2 और प्रशांत नील की अगली फिल्म को खत्म करने के बाद जूनियर एनटीआर देवरा पार्ट- 2 की शूटिंग शुरू करेंगे।

कुबेर के मेकर्स ने दिया जबरदस्त तोहफा, नए पोस्टर में दिखा धनुष-नागार्जुन का इंटेंस लुक

धनुष की आने वाली फिल्म कुबेर अनाउंसमेंट के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है. शेखर कम्मुला निर्देशित यह फिल्म 31 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. उसके पहले हाल ही में मेकर्स ने गणेश चतुर्थी के शुभ दिन पर मोस्ट अवेटेड फिल्म का पोस्टर रिलीज किया है. जिसमें धनुष और नागार्जुन अक्किनेनी अलग ही अवतार में नजर आ रहे हैं. दोनों अपोजिट कैरेक्टर में हैं लेकिन दोनों के चेहरे पर ही गंभीरता और निडरता देखी जा सकती है. कुबेर के मेकर्स ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर फिल्म का पोस्टर रिलीज किया जिसे देखते ही फैंस खुश और एक्साइटेड हो गए. धनुष जहां पूरी दाढ़ी और बढ़े हुए बालों के साथ एक नए लुक में नजर आ रहे हैं, वहीं उनके अजीबोगरीब अपीयरेंस ने सभी को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि फिल्म किस बारे में होगी. दूसरी ओर नागार्जुन अक्किनेनी एक नए लुक में नजर आ रहे हैं, उनका लुक काफी इंटेंस नजर आ रहा है. इनके अलावा, फिल्म में रश्मिका मंदाना, जिम सर्भ, दलीप ताहिल जैसे सितारे भी हैं. शेखर कम्मुला के साथ, फिल्म को एमिगोस क्रिएशन ने प्रोड्यूस किया है वहीं इसका म्यूजिक देवी श्री प्रसाद ने दिया है. कुछ वक्त पहले ही कुबेर के एक पोस्टर में धनुष का मासूम चेहरा दिखाया गया है. बदन पर फटा और गंदा कपड़ा, लंबी दाढ़ी-मूंछ में धनुष की मासूमियत और गरीबी साफ दिखाई दे रही हैं. इस पोस्टर से अंदाजा लगाया जा सकता है कि एक्टर फिल्म में एक ऐसी पर्सनालिटी को रिप्रेजेंट करेंगे, जो अपनी गरीबी और समस्याओं से जूझ रहा है. वहीं 5 जुलाई, 2024 को मेकर्स ने कुबेर से रश्मिका मंदाना की पहली झलक शेयर की थी. वीडियो में एक्ट्रेस एक घने जंगल के अंदर जमीन खोदती है और उसके अंदर से उन्हें पैसे से भरा बैग मिलता है.